पटना ● शुक्रवार, 23 अगस्त 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:223 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

जम्मू-कश्मीर चुनाव में कांग्रेस और एनसी में गठबंधन

● फारुक अब्दुल्ला ने कहा-सीटों का बंटवारा बाद में होगा ● राहुल गांधी फिर बोले- हमने मोदी का कॉन्फिडेंस तोड़ा

श्रीनगर (एजेंसी)। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे। गुरुवार को राहुल गांधी से मुलाकात के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुखिया फारुक अब्दुल्ला ने ऐलान किया। उन्होंने कहा, राज्य की सभी 90 सीटों पर दोनों दल एक साथ चुनाव लड़ेंगे। सीटों को आज रात तक फाइनल कर लिया जाएगा। हमें उम्मीद है कि हम फिर से सत्ता में आएंगे। हमारे दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने श्रीनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करना और इसे वापस राज्य का दर्जा दिलाना सबसे जरूरी है। यहां से मेरा खून का रिश्ता है। ऐसे में उम्मीद है कि चुनाव में लोग हमारा साथ जरूर देंगे। राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि लोकसभा चुनाव में हमने पीएम मोदी का कॉन्फिडेंस तोड़ दिया है। अब उनकी छाती 56 इंच की नहीं रही। वे कंधे झुकाकर चलते हैं। जम्मू-कश्मीर चुनाव में गठबंधन तभी होगा जब कांग्रेस के सभी

कार्यकर्ताओं को इज्जत मिलेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अगर हम जम्मू-कश्मीर चुनाव जीतेंगे तो सारा हिंदुस्तान हमारे कब्जे में आएगा। राहुल और खड़गे दो दिन के जम्मू-कश्मीर दौरे पर हैं। दोनों नेता 21 अगस्त की शाम श्रीनगर पहुंचे। दूसरे दिन दोनों नेता कार्यकर्ताओं से मिले। हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार हुआ है कि किसी राज्य का दर्जा छीनकर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है। हमारे लिए जरूरी है कि इसे इसका पुराना दर्जा वापस मिले। इसलिए हम सब मिलकर यहां पहले आए हैं। मैं पूरे देश में लोकतंत्र की रक्षा करता हूं। लेकिन मेरा लक्ष्य है कि देश के लोगों के दिल में जो यहां के लोगों के लिए डर है, मैं उसे मिटाना चाहते हैं। जो आप लोग सहते हैं। मैं, खड़गे और कांग्रेस इसे मिटाना चाहते हैं। कल जब हम आइसक्रीम खाने गए।

जो लोग वहां थे उन्होंने कहा- आपको जम्मू कश्मीर के लोग अच्छे लगते हैं। मुझे इरिटेशन हुआ। मैंने कहा कि नहीं मुझे यहां के लोग अच्छे नहीं लगते। फिर मैंने कहा- हर बार यहां आता हूं मुझे समझ आता है कि ये पुराना रिश्ता है। खून का रिश्ता है। आपने देखा है चुनाव में इंडिया गठबंधन ने मोदी और उनकी पार्टी को खत्म कर दिया है।

युद्ध से नहीं निकलेगा समाधान...

● पोलैंड की जमीन से पीएम मोदी ने अपने दो दोस्तों को दिया संदेश ● शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली के लिए डायलॉग और डिप्लोमेसी का किया समर्थन

वारसॉ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को भी संबोधित किया। अपने उद्बोधन के दौरान पीएम मोदी ने पोलैंड के साथ भारत के मजबूत संबंधों का बखान तो किया ही, साथ में इशारों-इशारों में रूस और यूक्रेन को भी संदेश दे किया। पीएम मोदी ने दो टूक लहजे में कहा कि वह शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली के लिए डायलॉग और डिप्लोमेसी का समर्थन करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का यह दृढ़ विश्वास है कि किसी भी समस्या का समाधान रणभूमि में नहीं हो सकता। पीएम मोदी ने पोलैंड के साथ राजनयिक वर्षगांठ के 70 साल पूरे होने पर दोनों देशों के संबंधों को स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप में बदलने का भी ऐलान किया। पीएम मोदी ने कहा, आज का दिन भारत और पोलैंड के संबंधों में विशेष महत्व रखता है। आज पैंतालीस साल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने पोलैंड का दौरा किया है। इस वर्ष हम अपने राजनयिक संबंधों की सत्तरवीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस अवसर पर हमने

संबंधों को स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। हम पोलैंड की कंपनियों को मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड से जुड़ने के लिए आमंत्रित करते हैं।

आयुष्मान भारत योजना में बड़े बदलाव की तैयारी

● 10 लाख तक का मुफ्त इलाज, महिलाओं को मिलेगा 15 लाख का लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयुष्मान भारत के तहत बीमा कवर को दोगुना करके 10 लाख रुपये और महिलाओं के लिए 15 लाख रुपये तक करने की तैयारी चल रही है। इस योजना के तहत प्राइवेट अस्पताल के 4 लाख बिस्तरों को जोड़ने के साथ-साथ लाभार्थियों की संख्या 55 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ करने की तैयारी केंद्र सरकार के द्वारा की जा रही है। एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रमुख प्राथमिकताओं के रूप में इस योजना पेश किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सचिवों के समूह ने इस योजना पर रिपोर्ट पेश कर दिया है। अगले पांच वर्षों के लिए

लक्ष्य और उनकी उपलब्धि के लिए समयसीमा निर्धारित करने का काम सौंपा गया है। सामाजिक क्षेत्र के लिए बनी स्कीम में स्वास्थ्य, आयुष, खेल, संस्कृति और शिक्षा सहित नौ मंत्रालय शामिल हैं। जल्द ही कैबिनेट सचिव के समक्ष एक प्रेजेंटेशन देने की संभावना है। आयुष्मान भारत योजना नरेंद्र मोदी सरकार की प्रमुख स्वास्थ्य योजना है। इसे दुनिया की सबसे बड़ी योजना बताया जाता है। वर्तमान में यह 12.34 करोड़ परिवारों को कवर करते हैं। 55 करोड़ लाभार्थियों को इसका लाभ मिल रहा है। प्रति परिवार 5 लाख रुपये का वार्षिक कवरेज प्रदान करता है। 30 जून तक इस योजना के तहत 7.37 करोड़ लोगों ने अस्पताल में इस योजना का लाभ उठाया। अब तक 1 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

30 साल में हमने ऐसी लापरवाही नहीं देखी, पुलिस की भूमिका पर भी संदेह

कोलकाता रेप-मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार को फिर से लताड़ा

डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील, सीबीआई ने कहा-सबूतों से छेड़छाड़ हुई

कोलकाता/नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 9 अगस्त को हुए ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सीबीआई ने कोर्ट में कहा- क्राइम सीन से छेड़छाड़ हुई है। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा- कोलकाता पुलिस की भूमिका पर संदेह है। जांच में ऐसी लापरवाही अपने 30 साल के करियर में नहीं देखी। इससे पहले सीजेआई ने कहा- डॉक्टर काम पर लौट आएं। अस्पतालों की स्थिति जानता हूं। मैं खुद एक सरकारी अस्पताल के फर्श पर सोया हूं, जब मेरे परिवार का एक सदस्य बीमार था। हमें बहुत सारे ईमेल मिले हैं, जिसमें डॉक्टरों ने कहा है कि उन पर बहुत ज्यादा दबाव है। 48 या 36 घंटे की ड्यूटी अच्छी नहीं है। मामले में अगली सुनवाई 5 सितंबर को होगी। इस केस की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच का रवैया भी सख्त दिखा। अदालत ने बंगाल सरकार

के वकील कपिल सिब्बल से पूछा कि कब पता चला कि यह अप्राकृतिक मौत का मामला लगता है। इस पर कपिल सिब्बल ने कहा कि दोपहर 1.45 मिनट पर यह दर्ज किया गया। इसके बाद ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट का फैसला लिया गया। इस दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला ने यह भी कहा कि मैंने 30 सालों में ऐसी घटना नहीं देखी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इस मामले में सही प्रक्रिया का पालन ही नहीं किया। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब सुबह के वक्त ही पता चल गया कि यह अप्राकृतिक जांच का मामला है तो फिर क्राइम सीन को चिह्नित करके घेराबंदी करने में देरी क्यों की गई। इस पर कपिल सिब्बल ने कहा कि ऐसा नहीं है। पूरे क्राइम सीन की वीडियोग्राफी भी कराई गई थी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने इस दौरान यह भी कहा कि डॉक्टरों को काम पर लौट जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि डॉक्टरों को कई बार लगातार 36 घंटे तक काम करना पड़ता है। इसके अलावा खराब परिस्थितियों में भी काम करते हैं। चीफ जस्टिस ने कहा, 'कृपया डॉक्टरों को भरोसा दिलाएं कि हम उनके लिए चिंतित हैं कि उन्हें 36 घंटे काम करना पड़ता है। हम सभी के परिवार में लोग हैं और रिश्तेदार हैं और हम लोग भी सरकारी अस्पताल जाते हैं। एक बार मैं सरकारी अस्पताल के फर्श पर भी सोया, जब एक रिश्तेदार बीमार थे। हमने देखा कि कैसे डॉक्टरों को 36 घंटे तक भी लगातार काम करना पड़ता है।'

आंध्र प्रदेश की फार्मा फैक्ट्री में आग, 17 लोगों की मौत

● 36 लोगों का इलाज जारी, पीड़ितों से मिलेंगे सीएम नायडू

अनाकापल्ले (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में अनाकापल्ले जिले की एक फार्मा कंपनी में बुधवार दोपहर करीब 2.15 बजे आग लग गई। हादसे में पहले 18 मौतों की जानकारी सामने आई। देर रात प्रशासन ने 17 लोगों की मौत की पुष्टि की। 36 लोग जख्मी हैं। सभी को जिले के एनटीआर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना अच्युतापुरम स्थित फार्मा कंपनी एस्किएंटिया के प्लांट में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहले कंपनी के रिएक्टर के पास आग दिखी, फिर तेज धमाका हुआ। इससे बिल्डिंग के पहले फ्लोर का स्लैब ढह गया। लोगों ने कहा कि घायलों की संख्या ज्यादा हो सकती है, क्योंकि फैक्ट्री में 381 से ज्यादा कर्मचारी दो शिफ्ट में काम करते हैं। घटना के समय ज्यादातर कर्मचारी लंच पर गए थे। अधिकारियों ने बताया कि सॉल्वेंट ऑयल पहली मंजिल से दूसरी मंजिल पर पंप किया जा रहा था, तभी लीकेज हुआ और आग लग गई। इससे 500 किलोलीटर के कैपेसिटर रिएक्टर में ब्लास्ट हुआ। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि घटना की हाई लेवल जांच की जाएगी। अगर फैक्ट्री मैनेजमेंट की लापरवाही सामने आती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीएम ने जरूरत पड़ने पर घायलों को एयर एम्बुलेंस से दूसरे अस्पतालों में ले जाने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य सचिव को घटनास्थल पर भेजा है। सीएम खुद फैक्ट्री पहुंचे।

अयोध्या गैंगरेप के आरोपी सपा नेता पर बड़ा ऐक्शन

बिल्डिंग पर चला बाबा का बुलडोजर, भारी पुलिस फोर्स तैनात

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या गैंगरेप आरोपी सपा नेता पर बड़ा ऐक्शन हुआ है। पूराकलंदर थाना क्षेत्र के भदरसा में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी मोइद खान की बिल्डिंग पर बुलडोजर की कार्रवाई एक बार फिर गुरुवार दोपहर शुरू हो गई। मौके पर तीन बुलडोजर और एक जेसीबी ने व्यावसायिक भवन के पीछे एवं आगे दोनों तरफ से

शुरू की कार्रवाई। ध्वस्त होने वाली बिल्डिंग की बिजली को काट दिया गया है। व्यवसायिक भवन से सभी किराएदारों से खाली कर लिया गया था। भवन में चल रहे बैंक को भी दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया। मौके पर एडीएम प्रशासन अनिरुद्ध सिंह, विकास प्राधिकरण के सचिव सत्येंद्र सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी आशुतोष तिवारी की मौजूदगी में खाद विभाग की टीम ने आरोपित की बेकरी का सील तोड़कर सामान बाहर निकलवाया। सुरक्षा के मद्देनजर मौके पर भारी पीएसी बल के साथ कुमारगंज, पुराकलंदर, रौनाही सहित कई थानों की पुलिस मुस्तैद है। भदरसा में विद्युत आपूर्ति ठप कर दी गई है।

अयोध्या के बाद कन्नौज में गरजा बाबा का बुलडोजर

नाबालिग से रेप के मामले में गुरुवार को एक साथ अयोध्या और कन्नौज में योगी सरकार ने बड़ा एक्शन लिया। दोनों जिलों में बुलडोजर गरजा और नाबालिग से रेप के आरोप सपा नेता और उनके करीबी की संपत्ति ध्वस्त कराने की कार्रवाई शुरू हो गई है। पहले अयोध्या में रेप के आरोपी मोईद खान के शॉपिंग कॉम्पेक्स को गिराने के लिए बुलडोजर चलने लगे। इसके बाद कन्नौज में रेप के आरोपी सपा नेता नवाब सिंह यादव के करीबी के कोल्ड स्टोरेज की बॉउड्री वाल को गिराने की कार्रवाई शुरू हो गई।

असम में काजी नहीं, सरकार करेगी निकाह का रजिस्ट्रेशन

विधानसभा में मुस्लिम मैरिज एंड डिवोर्स रजिस्ट्रेशन बिल पेश, 90 साल पुराना कानून बदलेगा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम सरकार ने को विधानसभा में मुस्लिम मैरिज एंड डिवोर्स रजिस्ट्रेशन बिल 2024 पेश करेगी। इसके तहत मुस्लिम समाज के लोगों को शादी और तलाक का रजिस्ट्रेशन करना जरूरी होगा। बुधवार को असम कैबिनेट ने बिल को मंजूरी दी थी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा- बिल में 2 विशेष प्रावधान हैं। पहला- मुस्लिम शादी का रजिस्ट्रेशन अब काजी नहीं सरकार करेगी। दूसरा- बाल विवाह के पंजीकरण को अवैध माना जाएगा। सीएम हिमंत ने कहा कि अब तक काजी नाबालिग लड़कियों की शादियां भी रजिस्टर्ड करते थे। अब ऐसा नहीं होगा। नया बिल इस्लामिक निकाह सिस्टम में बदलाव नहीं करेगा। केवल रजिस्ट्रेशन पार्ट में ही बदलाव होगा।

नाभा जेल ब्रेक कांड का मास्टर माइंड बहुत जल्द आएगा भारत

हांगकांग से प्रत्यर्पण की मंजूरी मिली, पंजाब पुलिस लेकर आएगी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। नाभा जेल ब्रेक कांड के मास्ट माइंड रमनजीत सिंह रोमी को भारत लाया जा रहा है। उसकी हांगकांग से प्रत्यर्पण की मंजूरी मिल चुकी है। उसे पंजाब पुलिस की टीम दिल्ली लेकर आ रही है। इसे पंजाब पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है। क्योंकि जेल से भागने वाले लोगों का यह सबसे बड़ा मददगार था। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट डालकर इसकी जानकारी दी है। वहीं, एंटी गैंगस्टर टॉस्क फोर्स के एसपी गुरमीत सिंह चौहान, एसपी, दो डीएसपी समेत छह मेंबरों की टीम उसे लेने गई हुई है। पंजाब पुलिस ही उसे हांगकांग से लेकर आ रही है। उस पर पंजाब में तीन केस दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि यह पंजाब पुलिस की बहुत बड़ी अचीवमेंट है। उन्होंने कहा कि विदेशों में बैठे आरोपियों के लिए भी एक सीख है। पुलिस के हाथ बड़े लंबे होते हैं। डीजीपी गौरव यादव ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि रोमी को आज न्याय के सामने वापस लाया जा रहा है। वह आईएसआई और खालिस्तान लिबरेशन फोर्स के हरमिंदर सिंह मिंटू और कश्मीर सिंह गलवड्डी सहित अन्य फरार कैदियों के संपर्क में था।

यूएस समेत दुनियाभर के वैज्ञानिकों की भी नजर

आसमान से आ रही प्रलय! हो जाइए सावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले दिनों में अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा समेत दुनियाभर के वैज्ञानिक चौकन्ने रहने वाले हैं। ब्रह्मांड से पृथ्वी की ओर तेजी से एक नहीं, बल्कि तीन-तीन ऐसी चीजें आ रही हैं, जिसके टकराने से प्रलय आ सकती है।

ये क्षुद्रग्रह (एस्टेरोइड्स) हैं, जोकि इस महीने के आखिरी में लगातार तीन दिनों तक पृथ्वी की ओर तेजी से बढ़ेंगे। हालांकि, इनके टकराने की आशंका नहीं है, लेकिन इसके बाद भी वैज्ञानिक जगत की नजर इस असाधारण ब्रह्मांडीय घटना पर लगी हुई है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के जेट प्रपल्सन लैबोरेट्री (जेपीएल) के अनुसार, तीन बड़े क्षुद्रग्रह पृथ्वी के पास से 27, 28 और 29 अगस्त को गुजरने वाला है। इन तीनों का साइज काफी बड़ा

होगा, जिसकी वजह से वैज्ञानिकों को काफी टेंशन है। इस महीने अब तक कई क्षुद्रग्रह धरती के पास से जा चुके हैं।

27 अगस्त को पृथ्वी के पास से गुजरने वाला क्षुद्रग्रह का नाम 2020 आरएल है और इसका साइज 110 फीट लंबा होगा। यह किसी विमान बराबर क्षुद्रग्रह है। 2020 आरएल 27 अगस्त को पृथ्वी के सबसे करीब से गुजरेगा और धरती से इसकी दूरी 2,910,000 मील की होगी। इसी वजह से इसके धरती से टकराने की कोई आशंका नहीं है, जोकि राहत वाली बात है।

राज्यसभा उम्मीदवार कुशवाहा के पास सिर्फ 2 लाख, करोड़ों के मालिक मनन मिश्रा

पटना, एजेंसी। राज्यसभा चुनाव की रणभेड़ी बज चुकी है। बिहार में दो सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं जो बीजेपी के विवेक ठाकुर और आरजेडी की मीसा भारती(लालू यादव की बेटी) के लोकसभा सांसद बनने से खाली हुए हैं। दोनों सीटों पर एनडीए के प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल कर दिया है। विवेक ठाकुर की खाली सीट पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा और मीसा भारती की सीट पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मनन मिश्रा मैदान में हैं। दोनों की जीत लगभग तय मानी जा रही है। नामांकन पत्र के साथ दोनों उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति समेत सभी प्रकार का ब्योरा दिया है। लोगों को यह जानने का इंतजार है कि उनके उम्मीदवार कितने पानी में हैं। बुधवार को राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा के लिए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा और मनन मिश्रा ने नामांकन दाखिल किया। दायर शपथ पत्र के अनुसार कुशवाहा के पास दो लाख रुपये नकदी है। नामांकन पत्र दाखिल किए जाने के साथ ही उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति का भी ब्योरा दाखिल किया। कुशवाहा के पास विभिन्न बैंकों में 28 लाख 28 हजार रुपये जमा हैं। उनके पास एक इनोवा गाड़ी है। वहीं, उनके पास पांच लाख के जेवरात हैं, जबकि 35 लाख रुपये मूल्य की खेती की जमीन है। उनके पास विभिन्न बैंकों की 12.36 लाख रुपये की देनदारी भी है। वहीं, उनकी पत्नी के पास 14 लाख रुपये के गहने और 2.50 लाख नकद हैं। कुशवाहा स्वयं व्याख्याता हैं, जबकि उनकी पत्नी व्यवसायी हैं।

करोड़ों के मालिक हैं मनन मिश्र : भाजपा कोटे से राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने वाले बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मनन कुमार मिश्र करोड़पति हैं। नामांकन के साथ दी गई विवरणी के अनुसार मनन मिश्र पांच लाख नकदी रखते हैं। विभिन्न बैंकों में लगभग दो करोड़ रुपये जमा है। बगहा के मूल निवासी मनन मिश्र का पटना और दिल्ली में मकान है। 20 लाख के जेवरात रखे हुए हैं। एक राइफल और एक रिवॉल्वर भी है। कुल संपत्ति तीन करोड़ 93 लाख 92 हजार दर्शायी है। खेती के लायक आठ एकड़ जमीन है। विरासत में मिली संपत्ति की कीमत ढाई करोड़ है। खुद की आमदनी से जो संपत्ति बनाई है, उसकी मौजूदा बाजार कीमत दो करोड़ है। पटना में दो फ्लैट की मौजूदा कीमत पांच करोड़ है। पीएनबी से 25 लाख का कर्ज लिए हुए हैं।

नामांकन में नीतीश कुमार रहे मौजूद : बताते चलें कि राज्यसभा उपचुनाव के लिए एनडीए के दोनों उम्मीदवारों ने बुधवार को विधानसभा में विधिवत नामांकन किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उपस्थिति में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा ने और भाजपा से मनन कुमार मिश्रा ने राज्यसभा के लिये नामांकन किया। नामांकन के दौरान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार समुन, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह, सांसद संजय कुमार झा, देवेश चन्द्र ठाकुर मौजूद रहे।

जूते-चप्पल की तीन मंजिले दुकान में लगी भीषण आग

गया, एजेंसी। बोधगया गोदाम रोड स्थित एक जूते-चप्पल की दुकान में भीषण आग लग गई। इस घटना में 20 लाख रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। घटना बुधवार की अहले सुबह तीन बजे की है। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते दुकान में रखे सारा सामान जलकर खाक हो गया। आग पर पूरी तरह से काबू पाने में दमकल की छह गाड़ियों को चार घंटे से ज्यादा का समय लगा। नुकसान का आकलन करना मुश्किल हो रहा है। एक अनुमान के अनुसार 20 लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। आग लगने का कारण बिजली की शॉट सर्किट बताया जा रहा है। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने बिल्डिंग से धुंआ उठते देखा। देखते ही देखते आग की तेज लपटें उठने लगी और पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों ने इसकी सूचना दमकल विभाग और दुकान मालिक को दी। सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड की टीम पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गए। तीन मंजिला बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर दुकान थी। बाकी दो फ्लोर पर गोदाम था। दमकल कर्मियों ने सूझबूझ से न सिर्फ आग पर काबू पाया। बल्कि पूरी बिल्डिंग को आग की चपेट में आने से बचा लिया। नहीं तो एक बड़ा हादसा से इन्कार नहीं किया जा सकता था।

जमीनी विवाद में खूनी खेल, लैंड सर्वे से पहले बिहार के मुजफ्फरपुर में पीट-पीटकर युवक की हत्या

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के सभी 45 हजार गांवों में लैंड सर्वे का काम शुरू हो गया है। इसके साथ जमीन पर कब्जा सीमांकन जैसे मुद्दों पर विवाद भी तेज हो गया है। मुजफ्फरपुर में इसे लेकर खूनी खेल खेला गया। अहियापुर के दादर कोल्हुआ में गुरुवार सुबह एक युवक की पिट पीटकर हत्या कर दी। घटना का कारण जमीन विवाद है। पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर जांच कर रही है। अहियापुर थाना अध्यक्ष ने कहा है कि आरोपियों को जल्द दबोच लिया जाएगा। फिलहाल कांड को अंजामे देने के आरोपी फरार हैं। बताया जा रहा है कि गुरुवार की सुबह में दो पक्षों के बीच जमीन को लेकर पहले बहस हुई। फिर, देखते ही देखते दोनों और से हाथापाई शुरू हो गई। इसी दौरान युवक की लाठी और डंडो से जमकर पिटाई की गई। इसमें युवक ने मौके पर ही दम तोड दिया। घटना की अंजाम देने के बाद दूसरे पक्ष के लोग फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। उसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची तबतक युवक की पिटाई करने वाले आरोपी फरार हो चुके थे। घटना से इलाके में सनसनी फैल गयी है।

घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगो की भिड़ जुट गई। लोगो ने मामले की जानकारी अहियापुर थाने की पुलिस को दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया गया है। थानेदार रोहन कुमार ने बताया की मारपीट की घटना हुई थी। इसमें युवक की मौत हो गई है। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है। मृतक के नाम पते का सत्यापन किया जा रहा है। सत्यापन होने के बाद परिजन के आवेदन के आधार पर कारवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस गंभीरता से कांड की जांच कर रही है। कांड के सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शराब की सूचना देने का शक, युवक का किया अपहरण मुजफ्फरपुर में 2 बदमाश अरेस्ट, स्कॉर्पियो जब्त

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में बोचहां निवासी हरेंद्र सहनी का अपहरण हुआ था। इस मामले में 24 घंटे के अंदर ही अपहृत हरेंद्र सहनी को सकुशल बरामद किया गया है। दो अपहरणकर्ता विक्रम कुमार और शंभू राय को अरेस्ट किया गया है। एक स्कॉर्पियो को जब्त किया गया है। बदमाशों को ये शक था कि पीड़ित ने उनके शराब की सूचना पुलिस को दी है। इस कारण उन्होंने इस घटना को अंजाम दिया था। मामला अहियापुर थाना क्षेत्र के एसकेएमसीएच ओवर ब्रिज के पास का था। दरअसल, 20 अगस्त को अहियापुर थाना के एक स्कॉर्पियो और एक ऑटो से शराब बरामद हुआ था। जब्त शराब मामले में शंभू राय और विक्रम को शक हुआ कि हरेंद्र सहनी ने ही शराब की सूचना पुलिस को दी थी। जिसके बाद इन लोगों ने हरेंद्र सहनी का अपहरण कर लिया था। इन्होंने पुलिस के पकड़े गए शराब की कीमत, जितनी फिरौती मांगी थी।

पीड़ित की पत्नी ने दर्ज कराई थी एफआईआर: हरेंद्र सहनी की पत्नी राधा देवी ने इस बात की सूचना अहियापुर थाने में दर्ज कराई। राधा देवी के दर्ज एफआईआर के आधार पर पुलिस ने टीम का गठन किया। टीम ने घटना के 24 घंटे के अंदर ही हरेंद्र सहनी को जीरोमाइल चौक के समीप से बरामद करने के साथ ही मामले में दो बदमाश को भी गिरफ्तार कर लिया है। पूरे मामले को लेकर एसडीपीओ टाउन टू विनीत सिन्हा ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरपुर के निर्देशन पर एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम में अहियापुर थाना अध्यक्ष भी शामिल थे।

दबंगों ने युवक को मारी गोली, मौत:खेत में बकरी घुसने को लेकर हुआ था विवाद

बांका, एजेंसी। बांका के शंभूगंज थाना क्षेत्र के नरौन गांव में मामूली विवाद में दबंगों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान उक्त गांव के विष्णुदेव सिंह के बेटे सुधांशु कुमार(30) के रूप में हुई है। घटना बुधवार रात की है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि खेत में बकरी घुसने को लेकर विवाद होने पर फायरिंग कर दी। जिसमें मृतक के सीने में दो गोली लग गई जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति है, जिसके बाद से पुलिस वहां कैंप कर रही है। वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

घटना के बाद से गांव में तनाव,कैंप कर रही पुलिस

खेत में बकरी छोड़ने पर हुआ था विवाद

मृतक के पिता विष्णुदेव ने बताया कि गांव के अशोक सिंह ने फसल लगे खेत में बकरी खुला छोड़ दिया था। यह देख बकरी का रस्सी पकड़ खेत से बाहर कर दिया। साथ ही अशोक से बकरी बांध कर रखने की शिकायत की गई। जिसके बाद अशोक का दामाद मनोज सिंह आए और गाली-गलौज करने लगा। जिसकी आवाज सुनकर मेरा बड़ा बेटा सुधांशु दौड़कर वहां आया। इस बीच मनोज ने घर के छत से सुधांशु के सीने में दो गोली दाग दी। जिससे वह मौके पर ही गिर गया और उसकी मौत हो गई। परिजन के चीखने की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक अशोक और मनोज फरार हो गए थे। घटना की सूचना पर अपर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार सहित अन्य पुलिस बल पहुंचे । पुलिस ने जख्मी सुधांशु को निजी वाहन से सीएचसी भेजा।ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक प्रणव कुमार ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से गांव में तनाव की स्थिति है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया है। वहीं घटना के बाद गांव में पुलिस कैंप कर रही है।

जल्द ही हत्यारों की होगी गिरफ्तारी

अपर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार ने बताया कि सुरक्षा को लेकर पुलिस पदाधिकारी गांव में कैंप कर रही है। बताया कि जल्द ही हत्यारों की गिरफ्तारी होगी।

पितृपक्ष : घाटों पर 22 जवानों के साथ तैनात रहेगी एसडीआरएफ की टीम

गया, एजेंसी। पितृपक्ष मेले में आने वाले पिंडदानियों की सुरक्षा फल्गु नदी से लेकर घाटों पर होगी। पिंडदान वाले तालाब व सरोवरों के घाट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने बताया कि आपदा विभाग की ओर से मोटर बोट्स, स्थानीय तैराक और मास्टर ट्रेनर्स, लाइफ गार्ड्स और लाइफ बॉय की व्यवस्था की गई है। घाटों पर 22 जवानों के साथ एसडीआरएफ की टीम तैनात रहेगी।

साथ ही तैराक भी मुस्तैद रहेंगे। पिंडदान के दौरान कोई हादसा ना हो इसके लिए एसडीआरएफ की ओर से मोटर बोट्स का संचालन कराया जाएगा। पर्याप्त संख्या में स्थानीय तैराक और मास्टर ट्रेनर्स भी रहेंगे। घाटों पर तैराकी की तैनाती दो पालियों में होगी। देवघाट, सूर्यकुंड, सीताकुंड, वैतरणी, ब्रह्मसत सरोवर, रुक्मिणी सरोवर, पिता महेश्वर, रामशिला व प्रेतशिला स्थित सरोवर के घाट पर तैराक तैनात रहेंगे।

आरा में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत, एयरबैग खुला फिर भी नहीं बची जान

भोजपुर, एजेंसी। बिहार के आरा में गुरुवार (22 अगस्त) की सुबह सड़क हादसे में एक ही परिवार को 5 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में पति, पत्नी, बेटा, बहू और पोते की मौत हुई है। हादसे के बाद 3 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। 2 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। 25 साल की बहू और 4 साल की पोती की हालत गंभीर है। आरा सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। एयरबैग खुलने के बाद भी ड्राइव कर रहे विपुल और फ्रंट सीट पर बैठे भूप नारायण की मौत हो गई। गजराज गंज ओपी थाना क्षेत्र के बीबीगंज गांव के पास आरा-बक्सर फोर लेन पर चढ़ने समय कार (टीयूवी 300) पुल की रेलिंग से टकरा गई। बताया जा रहा है कि गाड़ी की रफ्तार 100 से ज्यादा थी। पूरा परिवार विंध्याचल से पूजा कर के लौट रहा था। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। गजराजगंज ओपी इंचार्ज हरी प्रसाद शर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने सभी को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया। इसके बाद परिवार को सूचना दी गई। भूप नारायण पाठक पिछले 15 सालों से पूरे परिवार के साथ पटना के DPS मोड़ के पास अर्पणा कॉलोनी में रहते थे। पिता और बेटा दोनों पूजा कराते थे।

मृतक के भतीजे शिबू पाठक ने बताया कि सोमवार को रक्षा बंधन के दिन सभी लोग महिंद्रा गाड़ी पर सवार होकर उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के विंध्याचल दर्शन के लिए गए थे। गुरुवार की सुबह सभी लोग विंध्याचल से दर्शन कर वापस पटना लौट रहे थे। लौट के दौरान विपुल पाठक गाड़ी चल रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी बीबीगंज गांव के पास ओवर ब्रिज पर पहुंची। गाड़ी बेकाबू होकर पुल के डिवाइडर से टकरा गई। इसमें भूप नारायण पाठक, उनकी पत्नी रेणु देवी और बेटा विपुल पाठक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि, उनकी बेटी अर्पिता पाठक और पोता हर्ष पाठक ने इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान दम तोड़ दिया। सभी लोग रक्षा बंधन के दिन गाड़ी पर सवार होकर विंध्याचल दर्शन करने गए थे।

एयरबैग खुलने के बाद भी हुई मौत : छपरा के रहने वाले संजीव ओझा हादसे के वक्त मौजूद थे। उन्होंने बताया कि बिहिया की ओर से वो लोग आरा आ रहे थे। अचानक गाड़ी की स्पीड अधिक होने से बेकाबू होकर पुल के डिवाइडर से टकरा गई।

मतदाताओं में चुनाव के प्रति रुझान का होगा अध्यन

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में केएपी सर्वे शुरू हो गया है। इसमें विशेषज्ञों द्वारा तैयार किये गए करीब 20 सवाल मतदाताओं से पूछे जायेंगे। यह सर्वे 11 विधानसभा क्षेत्रों के सबसे कम और सबसे अधिक मतदान वाले दो-दो बूथों के मतदाताओं के साथ किया जा रहा है। इसमें मतदाताओं से चुनाव में हिस्सा लेने और न लेने के कारणों के संबंध में पड़ताल की जाएगी। इसके अलावा चुनाव के प्रति उनकी जागरुकता का आकलन सवालों के माध्यम से किया जाएगा। चिन्हित बूथों के कम से कम 60 मतदाताओं के बीच यह सर्वे किया जा रहा है। मतदान में आयु-वर्गवार गैप्स, कम मतदान के कारणों, अपंजीकृत पात्र व्यक्तियों, माइग्रेशन, मीडिया उपभोग अर्थात विभिन्न मीडिया स्रोतों का प्रभाव -ग्रामीण, अर्द्ध शहरी, शहरी क्षेत्रों के मतदाताओं पर, पोस्टल बैलेट की जानकारी तथा निर्वाचन आयोग के एक्सेसिबिलिटी संबंधी कदमों का प्रभाव आदि की मतदाताओं से सटीक जानकारी के लिए किश ग्रिड पद्धति से सर्वे किया जा रहा है।

बिहार में फिर नौकरी की बहार; शिक्षा विभाग में डेढ़ लाख बहाली का नीतीश के मंत्री ने किया ऐलान

पटना, एजेंसी। बिहार में एक बार फिर नौकरी की बहार आने वाली है। नीतीश सरकार के शिक्षा विभाग में फिर से बड़े पैमाने पर सरकारी नौकरी को लेकर बहाली निकलने वाली है। इस बात का एलान खुद नीतीश कैबिनेट के मंत्री ने किया है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा है कि शिक्षा विभाग के अंतर्गत डेढ़ लाख से अधिक पदों पर नियुक्ति होनी है। इन पदों पर बहाली के लिए अधियाचना बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) को भेज दी गयी है। इनमें प्रधानाध्यापक, प्रधान शिक्षक और कंप्यूटर शिक्षक आदि शामिल हैं। शिक्षा मंत्री बुधवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने यह भी कहा कि सभी विधायकों और विधान पार्षदों से 10-10 ऐसे सरकारी स्कूलों की सूची मांगी गई है, जो जर्जर स्थिति में हैं। इन स्कूलों के भवनों का राज्य सरकार जीर्णोद्धार कराएगी। कुछ जगहों पर यह काम भी शुरू भी कर दिया गया है। मदरसों में सिलेबस से जुड़े विवाद पर मंत्री ने कहा कि यह मामला संज्ञान में आने के बाद संबंधित अधिकारियों को छानबीन के निर्देश दिए गए हैं। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर सुधार के उपाय किये जाएंगे।

बिहार में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। इसे देखते हुए सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों के लिए राज्य में नौकरी और रोजगार बड़ा मुद्दा बना हुआ है। शिक्षा विभाग में अब तक 5 लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति हो चुकी है। अभी भी शिक्षक बहाली टीआरई-3 पाइप लाइन में हो जिसमें एक लाख के लगभग भर्ती होना है। विगत 15 अगस्त को गांधी मैदान में झंडा फहराने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार न नौकरी और रोजगार को लेकर बड़ी घोषणा की। उन्होंने 12 लाख नौकरी के साथ 34 लाख रोजगार का ऐलान किया। बुधवार को नीतीश कैबिनेट की बैठक में नौकरी और रोजगार पर अहम निर्णय लिया गया। इसी के मद्देनजर शिक्षा मंत्री ने यह घोषणा की।

अटल पेंशन स्कीम में सभी बिहार में सबसे पीछे पटना, गया बना नंबर वन

गया , एजेंसी। अटल पेंशन योजना में बिहार में पटना का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। सभी 38 जिलों में पटना निचले पायदान पर है। केवल पटना ही है, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में लक्ष्य हासिल नहीं कर सका। यहां के बैंकों ने तय लक्ष्य की 78 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की। वहीं, पटना से सटा गया जिला अव्वल रहा। गया की 267 बैंक शाखाओं ने तय लक्ष्य से 340 प्रतिशत अधिक उपलब्धि हासिल की। पटना के अलावा भागलपुर और शिवहर का प्रदर्शन भी काफी खराब रहा है। गया जिले को वित्तीय वर्ष 2023-24 में 25,940 ग्राहकों को अटल पेंशन योजना से जोड़ने का लक्ष्य मिला था। वहां के बैंकों ने 88,391 ग्राहकों को इस योजना से जोड़ा। वहीं पटना जिले के 843 बैंक शाखाओं को 75,780 खाते खोलने थे, लेकिन 59,020 खाते ही खोले गए। यह खुलासा हाल में अटल पेंशन योजना की समीक्षा बैठक में जारी रिपोर्ट से हुआ है। बताते चलें कि प्रदेश में अटल पेंशन योजना के अब तक 55 लाख 47 हजार 524 खाते खुल चुके हैं। इनमें 11 लाख 28 हजार 838 खाते पिछले वित्तीय वर्ष में खोले गए हैं।

निजी बैंकों ने नहीं दिया साथ

रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार जैसे गरीब राज्य में अटल पेंशन जैसी लोकोपयोगी योजना के क्रियान्वयन में निजी बैंकों का साथ नहीं मिला। राज्य के 14 निजी बैंकों में किसी ने भी तय लक्ष्य को पूरा नहीं किया। आईडीबीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक ने 70 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की। कोटक महिन्द्रा, इंडसइंड बैंक, कर्नाटका बैंक, बंधन बैंक आदि तो मात्र 30 प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर सकी। पेंशन योजना में प्रदेश के 11 बैंकों की उपलब्धि शून्य से 6 प्रतिशत के बीच रही है।

नवादा, बांका का बढ़िया प्रदर्शन

अटल पेंशन योजना में गया के अलावा, नवादा, बांका, औरंगाबाद, अरवल जैसे जिलों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। नवादा की 116 बैंक शाखाओं ने तय लक्ष्य 11,410 के मुकाबले 32,796 ग्राहकों को इस योजना से जोड़ा। जो लक्ष्य से 287 प्रतिशत अधिक रहा। बांका ने लक्ष्य से 285 प्रतिशत, औरंगाबाद ने 243 प्रतिशत और अरवल ने 236 प्रतिशत ज्यादा पेंशन खाते खोले।

सबसे कम पेंशन राशि के आवेदक बिहार में ज्यादा

अटल पेंशन योजना के तहत देश में बिहार के आवेदक पेंशन की सबसे कम राशि एक हजार रुपये प्रतिमाह के लिए सबसे अधिक आवदेन करते हैं। राज्य के 80 प्रतिशत अटल पेंशन के लिए निबंधित ग्राहक केवल एक हजार पेंशन के लिए अंशदान दे रहे हैं। हरियाणा, पंजाब, गुजरात आदि राज्यों में पांच हजार रुपये पेंशन के लिए निबंधित लोगों की संख्या अधिक है।

60 वर्ष के बाद मिलती है पेंशन

अटल पेंशन योजना में 18 वर्ष से 40 वर्ष उम्र के लोग जुड़ सकते हैं। लाभुकों को 60 वर्ष की अवधि के बाद एक से पांच हजार रुपये की राशि बतौर पेंशन दी जाती है।

उम्र के साथ बढ़ती है अंशदान की रकम

इस योजना के तहत ग्राहक एक हजार, दो हजार, तीन हजार, चार हजार और पांच हजार रुपये पेंशन राशि के लिए पेंशन खाता खुलवा सकते हैं। 18 वर्ष की उम्र वाले आवदेक जो एक हजार रुपये पेंशन चाहते हैं उन्हें 42 रुपये प्रतिमाह 60 वर्ष की उम्र तक अंशदान देना होगा। वहीं 5000 रुपये प्रतिमाह पेंशन के लिए उनका अंशदान 210 रुपये देना होगा। उम्र के साथ पेंशन अंशदान की रकम बढ़ती जाती है।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

जन जागरुकता के साथ परिवार नियोजन का लक्ष्य करें हासिल- सिविल सर्जन

- परिवार नियोजन कार्यक्रम के सुदृढीकरण हेतु जिले के चिकित्सा पदाधिकारीयों की हुई समीक्षात्मक बैठक
- परिवार कल्याण कार्यक्रम अन्तर्गत परिवार नियोजन के सभी समाग्रियों को करें वितरित

बीएनएम। मोतिहारी

परिवार नियोजन कार्यक्रम के सुदृढीकरण हेतु जिले के चिकित्सा पदाधिकारीयों की समीक्षात्मक बैठक जिला स्वास्थ्य समिति सदर अस्पताल मोतिहारी में आयोजित की गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह ने चिकित्सा पदाधिकारीयों को अधिक से अधिक परिवार नियोजन एवं सिजेरियन ऑपरेशन करने का निर्देश दिया। सीएस ने कहा की आशा कार्यकर्ताओं नसबंदी, परिवार नियोजन कार्यक्रम में अपना बेहतर योगदान देना सुनिश्चित करें तभी जिले के आपेक्षित लक्ष्य की प्राप्ति हो सकती है। पीएसआई डीसी अमित कुमार ने पीपीटी के माध्यम से सिजेरियन समेत अन्य विषयों से सम्बन्धित डाटा शेयर किया। सीएस ने बताया की जन जागरूकता के साथ परिवार नियोजन का लक्ष्य हासिल करना आवश्यक है। अपर मुख्य चिकित्सा प्रभारी (एसीएमओ) डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने कहा की सरकारी संस्थानों में अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध है। ऐसे में अब जिला एवं अनुमण्डलीय अस्पताल में लाभुकों को सिजेरियन का लाभ प्राप्त हो इसका ध्यान रखना आवश्यक है। स्वास्थ्य संस्थान में पदस्थापित आर एमएनसीएचए प्लस एन काउंसलर/ओपीडी इंचार्ज/लेबर रूम इंचार्ज की देखरेख में सम्पादित कराना सुनिश्चित करें। जनसंख्या पर नियंत्रण हेतु महिला बंधयाकरण एवं पुरुष नसबंदी सेवा के लिए मोबिलाइज़ेशन किया जाए। बेहतर कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया की सभी स्वास्थ्य केन्द्रों व उपकेन्द्रों पर परिवार नियोजन किट (कंडोम बॉक्स) उपलब्ध कराए जाएं। मौके पर डीसीएम नंदन झा ने बताया की सदर अस्पताल मोतिहारी में डॉ. अरशद कमाल द्वारा 92, रश्मि श्री 30, डॉ. सुरुचि 85, डॉ. एस भाटिया 44, डॉ. वंदना शर्मा 73, डॉ. सुषमा 16 वहीं मेहसी में डॉ. अमित कश्यप द्वारा 408, अनुमण्डलीय अस्पताल चकिया में डॉ. चन्दन द्वारा 563, डॉ. राजीव रंजन द्वारा 261, डॉ. रश्मि प्रिया द्वारा 93 सिजेरियन किया गया है।

परिवार कल्याण कार्यक्रम अन्तर्गत परिवार नियोजन के सभी समाग्रियों को करें वितरितः डैम अभिजीत भूषण ने बताया की नवदंपत्ति को शगुन किट प्रदान की जाए और प्रत्येक उपकेन्द्र पर सास-बेटा-बहू सम्मेलन का आयोजन अधिक से अधिक किया जाए। परिवार कल्याण कार्यक्रम अन्तर्गत परिवार नियोजन के सभी समाग्रियों (कॉपर टी, माला एन, छाया, अन्तरा, कण्डोम, इत्यादि) की मांग एवं वितरण एप्प के माध्यम से करें। उक्त समाग्री के वितरण हेतु राज्य स्तर से प्रत्येक स्वास्थ्य संस्थान के लिए यूजर आई डी एवं पासवर्ड तैयार कर उपलब्ध कराया गया है। मौके पर सिविल सर्जन डॉ.विनोद कुमार सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ. श्रवण कुमार पासवान, डीसीएम नंदन झा, डैम अभिजीत भूषण, पीएसआई डीसी अमित कुमार, डॉ.अरशद कमाल सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ओपन पीपुल्स पार्टी का प्रखंड स्तरीय बैठक सम्पन्न

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के घोड़ासहन ढ़ाला रोड हनुमान मंदिर के प्रांगण में ओपन पीपुल्स पार्टी का प्रखंड स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन के विस्तार व अन्य मुद्दों को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई।इस क्रम में प्रदेश अध्यक्ष द्वारा सदस्यता अभियान चलाया गया जिसमें मनोज साह, दिनेश साहू, रामबहादुर राउत, दिलीप कुमार, मदन दास, सोनू कुमार, कन्हैया कुमार, कपिल देव प्रसाद सहित कई लोग सदस्यता ग्रहण किया। वहीं रामबहादुर राउत को प्रखंड अध्यक्ष, दिलीप कुमार प्रखंड सचिव तथा मनोज साह को पंचायत अध्यक्ष के रूप में मनोनयन किया गया। इस कार्यक्रम में लीला देवी प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, बिरेश कुमार प्रदेश अध्यक्ष, सुबोध यादव जिला मिडिया प्रभारी, संजय पटेल सहित दर्जनो कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

अधेड़ व्यक्ति की गला रेत हत्या

बीएनएमः केसरिया। बिजधरी थाना क्षेत्र के लाला छपरा गाँव में एक अधेड़ व्यक्ति की गला रेत कर हत्या कर दी गई है। पुलिस ने गुरुवार को शव को मृतक के घर से बरामद किया है। घटना की सूचना पर डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक मुनीर आलम व थानाध्यक्ष राजीव कुमार घटनास्थल पर पहुँच मामले की जानकारी ली। मृतक लाला छपरा वार्ड संख्या दो का 50 वर्षीय वीरेंद्र ठाकुर था। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुट गई है। बताया जाता है कि वीरेंद्र का किसी से विवाद हुआ। इस बीच मारपीट में वीरेंद्र के गर्दन पर धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दिया गया। हत्या के बाद हत्यारा दरवाजा को बंद कर दिया था। घटना की सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को बरामद किया। पुलिस के सूचना पर पहुँची एफएसएल की टीम के द्वारा घटनास्थल का बारीकी से जाँच किया गया। जाँच के उपरांत एफएसएल की टीम अपने साथ नमूना लेकर गई। समाचार प्रेषण तक मामले को लेकर थाना में कोई आवेदन नहीं दिया गया था।

लालबाग के राजा स्वरूप की 10 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा होगी स्थापित

बीएनएमः मुजफ्फरपुर : श्री गणेश पूजा व्यवसायिक समिति भगवानपुर गोलंबर के पास इस साल गणेशोत्सव में लालबाग के राजा स्वरूप की 10 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा स्थापित करेगी। आयोजन 7 से 17 सितंबर तक होगा, जिसमें 11 दिवसीय उत्सव का आयोजन होगा। इस बार पूजा पंडाल में गौ माता के थन से शिवलिंग पर दूध गिरता हुआ दिखेगा, जो विशेष आकर्षण होगा। समिति के अध्यक्ष शंकर प्रसाद यादव ने बताया कि प्रतिदिन सुबह और शाम गणपति की भव्य आरती होगी, जिसके बाद प्रसाद का वितरण किया जाएगा। गणपति पूजन के मुख्य यजमान मनीष गुप्ता होंगे, जबकि आचार्य लालबाबू तिवारी मुख्य पुजारी के रूप में पूजा करेंगे। 17 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन महोत्सव का समापन होगा, जिसमें शाम को भंडारा आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति के प्रवक्ता प्रकाश चंद्र जैन ने बताया कि इस बार 22 फीट का पूजा पंडाल तैयार किया जा रहा है। आयोजन में सुमन सिंह, रतन चौधरी, अजय प्रसाद सिंह, मकेश्वर सिंह, रौनक श्रीवास्तव, शनि राज, प्रिंयांशु तिवारी, करन कुमार और अन्य लोग पूरी लगन के साथ सहयोग कर रहे हैं।

14 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

जिला एवं सत्र न्यायाधीश देवराज त्रिपाठी के निर्देश के आलोक में गुरुवार को अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी-सह-सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राजेश कुमार दुबे की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में आगामी 14 सितंबर को होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बानने के लिए जिला प्रशासन के विभिन्न पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई। सचिव डालसा राजेश कुमार दुबे ने बताया कि बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के तत्वाधान में दिनांक 14.09.2024 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला व्यवहार न्यायालय परिसर, मोतिहारी में किया जायेगा जिसमें सुलहनीय वादों का निष्पादन आपसी समझौते के आधार पर किया जायेगा। सुलहनीय वादों यथा आपराधिक मामले, दिवानी मामले, दुर्घटना बीमा दावा, पारिवारिक विवाद, श्रम विवाद, भू-अधिग्रहण, राजस्व, बिजली, पानी एवं अन्य विपत्र से संबंधित एनआई एक्ट 138 के अन्तर्गत दर्ज केस, बैंक ऋण, कर्मचारियें के वेतन एवं पेंशन से संबंधित विवादित मामलों का निपटारा सुलह-समाझौते के आधार पर किया जायेगा। संबंधित पक्षकार इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने विवादों को राष्ट्रीय लोक अदालत में बिना खर्च बिलकुल मुफ्त में तत्काल समाप्त करा सकते हैं।सचिव श्री दुबे ने कहा कि सभी विभागीय पदाधिकारी ऐसे सभी मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में लाये ताकि इसका निःशुल्क समाधान किया जा सके। पदाधिकारी आपस में समन्वय बनाकर एवं लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करेंगे तो अधिक से अधिक वादो को सुलह कराने में सहुलियत रहेगी। बैठक में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के साथ प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी (डीपीआरओ) ज्ञानेश्वर प्रकाश, वन प्रमण्डल पदाधिकारी, वाट एवं माप पदाधिकारी, श्रम संसाधन विभाग के पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एड्स जागरूकता से संदर्भित राज्य स्तरीय मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में एनएसएस का दल रवाना

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति,पटना द्वारा एड्स जागरूकता से संदर्भित राज्य स्तरीय मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर भागीदारी करने के लिए जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को गुरुवार को मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ.)अरुण कुमार ने शुभकामना देकर विदा किया। इस टीम के नोडल ऑफिसर मुंशी सिंह महाविद्यालय के एनएसएस के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ.अमित कुमार बनाए गए है। टीम में शामिल सभी छात्र-छात्राएं जिला स्तरीय मैराथन दौड़ प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागी हैं।इस टीम में निशांत परवीन और मुस्कान कुमारी डॉ.श्रीकृष्ण सिंहा महिला महाविद्यालय से,मधु कुमारी मुंशी सिंह महाविद्यालय से और विशाल कुमार,निरंजन कुमार साहू तथा कुंदन कुमार एल.एन.डी.कॉलेज के छात्र हैं।यह मैराथन दौड़ प्रतियोगिता पटना स्थित आई.आई. टी.में विशेषज्ञों की देख रख में संपन्न होगी।इस अवसर पर प्रो. मृगेंद्र कुमार,प्रो.एम.एन. हक़,डॉ. मशहूर अहमद और प्रो.अमरजीत कुमार चौबे ने टीम को अपनी शुभकामनाएं दी हैं।यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रो.अरुण कुमार ने दी है।

चेहल्लुम पर्व को लेकर स्थानीय थाना में शांति समिति की बैठक संपन्न

- मेले में डीजे बजाने पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध
- सभी अखाड़े अपने पूर्व निर्धारित मार्ग से ही होकर जायेंगे

बीएनएम। सुगौली

चेहल्लुम पर्व को लेकर गुरुवार को स्थानीय थाना परिसर में शांति समिति की एक बैठक थानाध्यक्ष अमीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। शांति समिति की बैठक में पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार पाण्डेय, पुलिस पदाधिकारी, पंचायतों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों के वार्ड पार्षद तथा उनके प्रतिनिधि, पर्व में अखाड़े निकालने वाले लाइसेंस धारी लोगों सहित पंचायतों व नगर पंचायत के अन्य गणमान्य तथा प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि चैहलूम का त्योहार 25 तारीख की रात में तथा 26 तारीख के दिन में मनाया जायेगा। बैठक में शामिल लोगों ने पर्व को शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न करने की बात बताई। पुलिस प्रशासन तथा स्थानीय प्रशासन के द्वारा भी बैठक में उपस्थित लोगों से पर्व को शांतिपूर्ण व उत्साह से संपन्न कराने की बात कही गई। प्रशासन ने लोगों को बताया कि पर्व में डीजे साउण्ड का उपयोग नहीं किया जाएगा। डीजे न बजाने को लेकर माइकिंग कर लोगों को सूचित किया जाएगा। बावजूद इसके अगर डीजे का उपयोग किया गया तो प्रशासन समुचित कानूनी कार्रवाई कार्यवाही करेगा ।बैठक में पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार पाण्डेय, अंचलाधिकारी कुंदन कुमार ने संयुक्त रूप से अपील किया कि चैहलूम आपसी एकता और भाईचारे के साथ मनाया जाने वाला पर्व है और इसे वैसे ही मनाया जाना चाहिए।रात और दिन में मनाये जाने वाले इस पर्व में सुरक्षा

व्यवस्था पर थानाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि पर्व व मेले को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और मेला स्थल पर पुलिस बल के जवान तैनात रहेंगे।इस दौरान असमाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगायें जायेंगे। थानाध्यक्ष ने अखाड़ों के लाईसेंस धारी को कहा कि वे अपने क्षेत्र से दस लोगों का नाम, आधार कार्ड और उनके फोटों लाईसेंस लेने से पहले थाना में जमा करेंगे। मेले में अखाड़ों के मार्ग के बावत भी प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सभी अखाड़े निर्धारित मार्ग से ले जाया जाएगा। बैठक में पहुंचे लोगों ने शांतिपूर्वक चैहलूम मनाने की प्रतिबद्धता के साथ साथ अपने क्षेत्र की समस्याएं भी रखी। मौके राजा सिंह, भाजपा नेता विकास शर्मा, मो.नूरहोदा कुरैशी, वार्ड पार्षद ऐनुल हक, सोनालाल सहनी, अंकुर चौधरी, अशोक कुमार गुप्ता, प्रियांशु सर्राफ, सत्यनारायण अग्रवाल, अशोक सोनी, बिटु कुमार, मो.शाबीर, अकरम रजा, राजदेव प्रसाद, अनिरुद्ध सिंह, मनेजर सहनी, मधुरेन्द्र कुमार, पार्षद रवि पासवान, ओमप्रकाश कुमार, सहित कई लोग उपस्थित थे।

भूमि सर्वे को लेकर ग्राम सभा आयोजित

बीएनएम। केसरिया

भूमि सर्वेक्षण का कार्य शुरू हो गया है। अंचल क्षेत्र के विभिन्न राजस्व गाँवों में ग्राम सभा आयोजित कर रैयतों को विशेष सर्वेक्षण से संबंधित जानकारी दी जा रही है। इस कड़ी में गुरुवार को केसरिया अंचल क्षेत्र के बथना पंचायत के चकदरिया स्थित सामुदायिक भवन में ग्राम सभा आयोजित कर लोगों को भूमि सर्वे कराने से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। ग्राम सभा में मौजूद विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी अशोक कुमार, विशेष सर्वेक्षण अमीन शिवजी राम, शुभम कुमार व ब्रजेश कुमार पाल ने बताया कि सर्वे कराने के लिए रैयतों को भूमि स्वामित्व से संबंधित कागजात यथा खतियान (वंशावली सहित), दस्तावेज के अलावा आधार कार्ड आदि प्रस्तुत करना होगा। इस सभी कागजातों की छायाप्रति तीन प्रति में फॉर्म के साथ अंचल क्षेत्र में आयोजित होने वाले विशेष शिविर में जमा कराना होगा। जिसके बाद रैयतों द्वारा दिये गए जानकारी के अनुसार भूमि की धरातल पर जाँच की जाएगी। ग्राम सभा में देवालाल यादव, पंसस फिरोज अंसारी सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

छात्राओं के शिकायत पर डीएम गंभीर, अनुशंसा पर प्रभारी प्राचार्य निलंबित

- छात्राओं के मुद्दे को डीएम ने अपर मुख्य सचिव तक पहुंचाया, हुई कार्रवाई, प्रभारी प्राचार्य निलंबित
- जिलाधिकारी के अनुरोध पर प्रभारी प्राचार्य, जीएनएम कॉलेज, बेतिया पर गिरी गाज

बीएनएम। बेतिया

जीएनएम कॉलेज, बेतिया के छात्राओं के द्वारा प्रभारी प्राचार्य पर लगाए गए आरोप को जिलाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया ने अत्यंत ही गंभीरता से लेते हुए अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य विभाग, बिहार से समुचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया। जिलाधिकारी के अनुरोध के आलोक में अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य विभाग, बिहार ने प्रभारी प्राचार्य, जीएनएम कॉलेज बेतिया, मनीष जायसवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। ज्ञातव्य हो कि जीएनएम कॉलेज, बेतिया के छात्राओं के द्वारा विभिन्न गंभीर आरोप प्रभारी प्राचार्य पर लगाये गए थे। आरोपों की जाँच सिविल सर्जन के माध्यम से करायी गयी थी, जिसमें प्रथम दृष्टया आरोप सत्य पाया गया था। प्रभारी प्राचार्य के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर आज जीएनएम कॉलेज के छात्राओं के द्वारा जिलाधिकारी,

पश्चिम चम्पारण से मुलाकात की गई और वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने तुरंत स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव से बात की और कार्रवाई करने का अनुरोध किया। अपर मुख्य सचिव ने इसे अत्यंत गंभीरता से लेते हुए प्रभारी प्राचार्य को निलंबित कर दिया है। साथ ही अग्रतर कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया है। जिलाधिकारी ने जीएनएम कॉलेज के छात्राओं की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक, बेतिया से भी बात की और छात्राओं को पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने को कहा है।

भैरोगंज रेलवे स्टेशन पर दोहरी रेल लाइन का हुआ निरीक्षण, नई रेल लाइन पर पहली बार गुजरी डीआरएम की स्पेशल गाड़ी

बीएनएम। बगहा

बगहा-नरकटियागंज-गोरखपुर रेल खंड के भैरोगंज से हरिनगर नई दोहरी रेल लाइन का निरीक्षण करने भैरोगंज रेलवे स्टेशन पर वृहस्पतिवार को कोलकाता से सीआरएस सुमय मित्रा पहुंचे। सीआरएस के भैरोगंज पहुंचने से पहले स्टेशन पर भारी संख्या में आरपीएफ के अधिकारी,जवान रेल अधिकारी पहुंच चुके थे।स्टेशन को गुब्बारे से सजाया गया था।सीआरएस मित्रा पहुंचने के बाद, सबसे पहले स्टेशन पैनल में पहुंचे,जहां से गाड़ियों का संचालन किया जाता है।उन्होंने विस्तृत रूप से पैनल का जांच किया। पैनल रूम से निकलने के बाद सीआरएस दोहरी नई रेल लाइन पर हो रहे पूजा स्थल पर पहुंचे।वहां से मोटर ट्रॉली पर सीआरएस समेत सभी पदाधिकारी सवार हो भैरोगंज से हरिनगर के लिए रवाना हुए।बताया जाता है कि निरीक्षण करने के बाद सीआरएस के द्वारा हरी झंडी देने पर नई रेल लाइन पर गाड़ियों का संचालन आरंभ कर दिया जाएगा।भैरोगंज से हरिनगर के लिए पहली बार डीआरएम की स्पेशल गाड़ी नई रेल लाइन से गुजरी और हरिनगर

पहुंची। खबर लिखे जाने तक गाड़ियों के संचालन के लिए सीआरएस की ओर से हरी झंडी नहीं मिली थी। मौके पर डीआरएम विनय कुमार श्रीवास्तव, डीओएम अभिषेक विशाल, एओएम राजीव कुमार, नरकटियागंज टीआई मोहम्मद कलीम, समस्तीपुर टीआई सुनील कुमार मलिक, मुजफ्फरपुर टीआई मनोज कुमार, टीआई सिद्धार्थ कुमार,भैरोगंज स्टेशन अधीक्षक विनोद कुमार, स्टेशन मास्टर सुनील कुमार सिंह, सर्वजीत सिंह, लोकेश कुमार, समस्तीपुर स्टेशन अधीक्षक शाह युसूफ, आरपीएफ कमांडेंट एस ए जानी, नरकटियागंज आरपीएफ इंस्पेक्टर चंदन कुमार समेत बड़ी संख्या में पुलिस जवान और अधिकारियो का जमावड़ा लगा रहा।

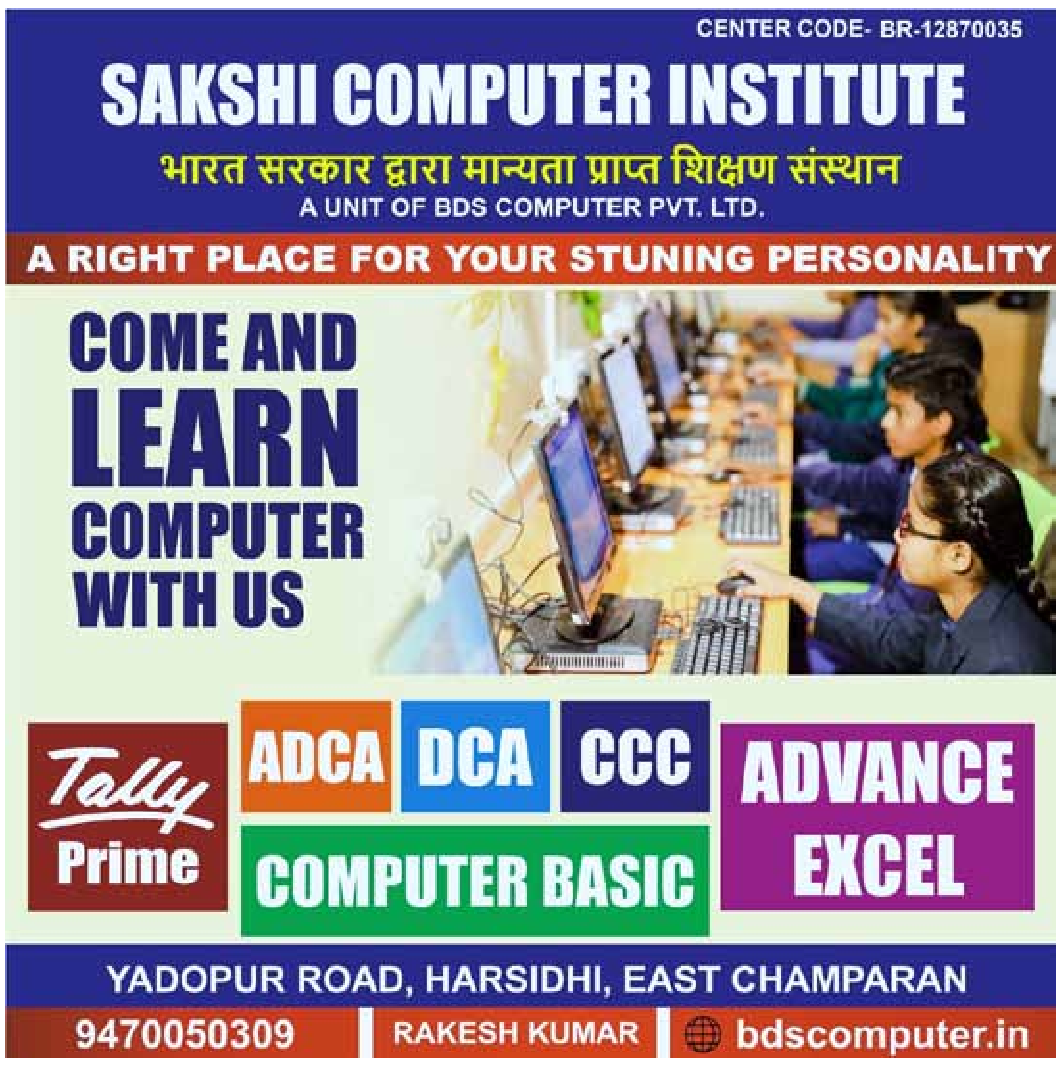

इच्छाओं को समर्पित करते जाओ

सभी इच्छाएं खुशी के लिए होती हैं। इच्छाओं का लक्ष्य ही यही है। किंतु इच्छा आपको कितनी बार लक्ष्य तक पहुंचाती है? इच्छा तुम्हें आनंद की ओर ले जाने का आभास देती है, वास्तव में वह ऐसा कर ही नहीं सकती। इसीलिए इसे माया कहते हैं। इच्छा कैसे पैदा होती है? किसी सुखद अनुभव की स्मृति या भूत के प्रभाव से इच्छा पैदा होती है। कुछ सुनने से भी इच्छा जागृत हो सकती है या किसी विशेष स्थान या व्यक्ति के संपर्क से। किसी और व्यक्ति की जरूरत या इच्छा भी तुम्हारी अपनी इच्छा के रूप में पैदा हो सकती है। मान लो कोई भूखा है, तो तुम्हें उसे खिलाने की इच्छा हो सकती है, या कोई तुमसे बात करना चाहता हो तो तुम्हारी भी उससे बात करने की इच्छा हो सकती है। कभी-कभी नियति या कोई घटना जिसमें तुम्हें भाग लेना है, तुममें इच्छा जाग्रत करती है, पर तुम अपने कृत्यों का कारण नहीं जानते। इच्छाएं अपने आप उत्पन्न होती हैं, वे तुमसे पूछकर नहीं आतीं। जब इच्छाएं उत्पन्न होती हैं, तुम उनका क्या करते हो? यदि तुम सोचते हो कि तुम इच्छाहीन हो जाओ, तो यह भी एक और इच्छा है। मैं एक उपाय बताता हूं- सिनेमा देखने के लिए टिकट खरीदनी पड़ती है और यह टिकट प्रवेश द्वार पर देनी पड़ती है। यदि तुम उस टिकट को पकड़े रखोगे तो अंदर कैसे जाओगे? उसी प्रकार, यदि तुम किसी कॉलेज में दाखिल होना चाहते हो तो आवेदन पत्र की जरूरत है।

नालंदा विश्वविद्यालय गुप्तवंश की ही रचना थी?

संजय गोस्वामी

नालंदा कोई पांथिक या सांप्रदायिक संस्थान नहीं था. भारत से बाहर इसको जाति, वर्ण, पंथ, क्षेत्र, नस्ल या राष्ट्र जैसी संकीर्णताओं से मुक्त होने के लिए ही सबसे ज्यादा याद किया जाता है. लेकिन एक संस्था के रूप में इसकी पहचान बौद्ध धर्म से, उसमें भी विशेष रूप से इसकी महायान शाखा से जुड़ी थी. विश्वविद्यालय की बाकी फैकल्टी भी इससे बहुत ज्यादा दूर नहीं जाती थीं. वैदिक अध्ययन, सांख्य, तर्कशास्त्र, व्याकरण और चिकित्साशास्त्र की पढ़ाई यहाँ जरूर होती थी, लेकिन सबॉर्डिनेट या आनुषंगिक रूप में. ज्योतिष और उसके लिए जरूरी कालगणना तथा आकाशीय घटनाओं का अध्ययन यहाँ समय बीतने के साथ जोर पकड़ता गया, लेकिन आर्यभट जैसा महान गणितज्ञ खगोलशास्त्री नालंदा से जुड़ा था, यह मानना कठिन है. इन निष्कर्षों के आधार बिंदुओं पर आगे और बात होगी. नालंदा के बरक्स तक्षशिला का स्वरूप किसी बहुशास्त्रीय या सामान्य शिक्षण संस्थान जैसा माना जा सकता है. कई सारी धार्मिक परंपराओं के अध्ययन के अलावा विभिन्न कौशलों, यहाँ तक कि शस्त्रविद्या की परंपरा भी तक्षशिला से जुड़ी थी. उसे विश्वविद्यालय कहने में एक ही अड़चन है कि वहाँ लिखी गई किताबें नहीं खोजी जा सकी हैं. यानी प्रशिक्षण पर उसका जोर ज्यादा था, रिसर्च ओरिएंटेशन कम था. बहु-कौशल प्रशिक्षण संस्थान, मल्टी-स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट जैसा वर्गीकरण तक्षशिला के लिए बेहतर होगा. अभी पाकिस्तान की राजधानी रावलपिंडी से 40 किमी दूर कब्जाशुदा खंडहरों वाले इस शिक्षण केंद्र को यह बहुआयामी स्वरूप उसके विशिष्ट इतिहास से हासिल हुआ थातक्षशिला की शुरुआत वैदिक परंपरा से हुई बताई जाती है. फिर गांधार की इंडो-ग्रीक सभ्यता ने उसपर असर डाला तो वहाँ बौद्ध धर्म की पढ़ाई होने लगी, जिसका झुकाव हीनयान की तरफ था. बाद में कुषाणवंशी शासन के प्रभाव में तक्षशिला की छवि महायान के एक विशिष्ट बौद्धिक केंद्र जैसी बनी, लेकिन ईसा की पांचवीं सदी में अल्चोन हूण शासकों ने उसे तहस-नहस कर दिया. गांधार सभ्यता के बहुत सारे पहलू हूणों के बाद भी जीवित रहे और कुछेक तो समृद्ध भी हुए, लेकिन तक्षशिला जाता रहा. लगभग इसी समय खड़े हो रहे नालंदा को इसका फायदा इस रूप में मिला कि तक्षशिला के कुछ संसाधन उसकी ओर मुड़ गए. कदम-कदम पर मात खा रहे गुप्त शासन ने मगध तक चढ़ आए हूणों के खिलाफ मालवा के औलिकारवंशी शासकों के साथ मोर्चा बांधा और उन्हें शिकस्त दी. नालंदा को तक्षशिला जैसी मजबूती देना 32 साल लंबे (496 ई.-528 ई.) इस रक्षात्मक युद्ध का ही एक पक्ष था.फाह्यान (337 ई.-422 ई.) गुप्तवंश के शीर्षकाल में भारत आया था. उस समय ज्यादातर बौद्ध केंद्रों में 'विधर्मियों' के मजबूत होने और मथुरा जैसी महत्वपूर्ण बौद्ध नगरी में भी विहार से ज्यादा देवालय दिखने की बात उसके यहाँ है. अतीत में पुष्यमित्र शुंग की 'धर्मविरोधी गतिविधियों' और कुछ बौद्ध स्थलों के विनाश का जिक्र भी उसके यहाँ मिलता है लेकिन पंजाब में एक देवपूजक ब्राह्मण से बौद्ध दर्शन पढ़ने का किस्सा भी फाह्यान के यहाँ है. यह कमाल की बात है कि धर्म के स्पष्ट विभेद के बावजूद 'धार्मिकों' और 'विधर्मियों' में तीखा टकराव जाहिर करने वाली एक भी बात उसके ग्रंथ में नहीं है. वैदिक और श्रमण परंपरा के बीच खुद गुप्तवंश की स्थिति क्या थी, इस बारे में तरह-तरह की राय होना स्वाभाविक है. कारण यह कि प्राचीन भारत का यह सबसे शक्तिशाली राजवंश आस्था के मामले में सीधे रास्ते पर नहीं चला. वंश के पहले महत्वपूर्ण राजा चंद्रगुप्त प्रथम ने एक लिच्छिवि राजकुमारी से विवाह किया और उसके बेटे समुद्रगुप्त की विरुदावली में 'लिच्छिवि दौहित्र' (लिच्छिवियों का नाती) का विरुद भी शामिल था. प्राचीन भारत और नेपाल के इतिहास को जोड़कर पढ़ें तो पता चलता है कि बुद्धकाल में ही उनका धर्म अपना लेने वाला लिच्छिवि गण अपने बिखराव के बाद भी बौद्ध आस्था पर डटा रहा. इस आधार पर समुद्रगुप्त को आधा वैदिक और आधा बौद्ध माना जा सकता है. कुमारगुप्त के दो उत्तराधिकारियों 'बुद्धगुप्त' और 'तथागतगुप्त' के नाम सीधे बौद्ध संस्कृति से निकले थे. लेकिन गुप्तकाल की पहचान वैदिक संस्कृति में नई जान फूंकने और श्रमण संस्कृति को किनारे करने वाली ही है. गुप्तवंश द्वारा जहाँ-तहाँ दिखाए जाने वाले बौद्ध समादर को आप चाहें तो उसका उदारवाद कह लें, न चाहें तो सत्ता के लिए लगातार बनाया जाने वाला एडजस्टमेंट बोलकर संतोष करें. लेकिन इस आधार पर ये दो निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि नालंदा विश्वविद्यालय गुप्तवंश की ही रचना है, और वहाँ वैदिक धारा, श्रमण धारा (यानी बौद्ध, जैन, आजीवक और लोकायत) और गणित, चिकित्सा, ज्योतिष आदि सेक्युलर विषयों को बराबर जगह प्राप्त थी. नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना का समय वहाँ की खुदाई में मिले टेराकोटा लेखों के आधार पर 427 ई. बताया जाता है. इसके संस्थापक के रूप में वहाँ राजा शक्रादित्य का नाम दर्ज है. इस नाम के किसी राजा के बारे में कोई जानकारी नहीं जुटाई जा सकी है, लिहाजा प्रस्थापना यह दी गई है कि शक्रादित्य संभवतः कुमारगुप्त (414ई.-455 ई.) का ही दूसरा नाम या उसका विरुद था. कुमारगुप्त, यानी गुप्तवंश के तीसरे ताकतवर सम्राट चंद्रगुप्त विक्रमादित्य का उत्तराधिकारी. बाद में 'आदित्य' उपनाम वाला एक और राजा नरसिंहगुप्त बालादित्य (495-530) इस वंश में हुआ, लिहाजा कुमारगुप्त के बारे में यह प्रस्थापना दूर की कौड़ी नहीं लगती. 319 ई. से 467 ई. तक का समय इस राजवंश के उत्कर्ष का माना जाता है और इन डेढ़ सदियों में इसके साम्राज्य का नक्शा बर्मा से सिंध तक और अफगानिस्तान से आंध्र प्रदेश तक पहुंचता है. ऐसे में सन 427 ई. में नालंदा में अपना सिक्का चला सकने वाले शक्रादित्य नाम वाले किसी गैर-गुप्त राजा के लिए गुंजाइश बनाना मुश्किल है. फिर भी इतिहासकारों को नक्शा दुरुस्त रखने के लिए आसान नतीजे निकालने के बजाय अपना ध्यान पुरातात्विक सबूतों की व्याख्या पर ही केंद्रित रखना चाहिए. एक बात तय है कि गुप्तों का सत्ताकेंद्र मगध नहीं कोसल था, उनकी राजधानी अयोध्या थी और नालंदा विश्वविद्यालय किसी भी राजवंश से ज्यादा अपने आचार्यों की रचना था. किसी एक राजा पर निर्भर होने के बजाय इसके संसाधन हमेशा कई स्रोतों से आते थे. इसको दिए गए दान के टेराकोटा अभिलेख मौजूदा थाईलैंड और इंडोनेशिया तक के राजघरानों से इसका रिश्ता बताते हैं. नालंदा का जो भव्य चित्र ह्वेनसांग ने खींचा है, वह इसका ढांचा खड़ा होने के 200 वर्षों में ही बन गया था, जबकि गुप्तवंश की विदाई इसके बीच में ही हो चुकी थी और उसके सत्ता में रहते यह एक बार सांप्रदायिक आगजनी का शिकार भी हो चुका था. निष्कर्ष यह कि नालंदा अपने स्वरूप में ही स्वायत्त था और राज्य-नियंत्रित होने की इसकी प्रवृत्ति नहीं थी. किनसे जुड़ी प्रसिद्धि ह्वेनसांग (602 ई.-664 ई.) का समय सम्राट हर्षवर्धन का है. फाह्यान के सवा दो सौ साल बाद अपनी उम्र के 27वें साल से शुरू करके 43 वें साल तक कुल सोलह साल का समय उसने भारत में बिताया और इस देश की बहुत बदली हुई तस्वीर पेश की. हूण हमलों से 'धर्म' की डगमगाहट का जिक्र उसके यहाँ कई जगह आता है. गांधार क्षेत्र का पूरा विवरण विध्वंस के चित्रों से भरा हुआ है. तक्षशिला विश्वविद्यालय, भारत का सबसे पुराना उच्च शिक्षण केंद्र सिर्फ यादों में रह गया है. कुछ और जगहों का जिक्र भी है जहाँ 'धर्म' जरा पहले तक था, फिर नहीं रहा. फाह्यान के बरक्स ह्वेनसांग की किताब इस मामले में भी अलग है कि बौद्ध धर्म और 'तीर्थिकों' के धर्म के बीच जमीनी समझदारी की कोई ठोस घटना उसमें नहीं है. हाँ , कुछ पहले नालंदा में हो चुके बड़े अग्निकांड का हवाला जरूर मिलता है. फाह्यान से ह्वेनसांग के बीच नालंदा जिन आचार्यों से जुड़कर चर्चा में रहा, वे सब के सब महायानी बौद्ध दार्शनिक, सूत्रकार, विमर्शकार या साहित्यिक व्यक्तित्व थे. न किसी वैदिक या जैन आचार्य का, न किसी चिकित्साशास्त्री, गणितज्ञ, खगोलविद या साहित्यकार का नाम नालंदा विश्वविद्यालय से जुड़ा हुआ मिलता है. चंद्रगुप्त विक्रमादित्य से लेकर हर्षवर्धन तक का यह समय संस्कृत के कुछ अद्भुत महाकवियों, नाटककारों और उपन्यासकारों के लिए याद किया जाता है. कालिदास, भारवि, माघ, दंडी, शूद्रक और बाणभट्ट. लेकिन इनमें किसी के भी जीवन परिचय में नालंदा तो क्या किसी शिक्षण संस्थान का जिक्र पढ़ने को नहीं मिलता. मेधा को शिक्षा से जोड़ने का चलन ही नहीं है. दुर्भाग्यवश, इस दौर में संस्कृत की दूसरी शाखा, बौद्ध शाखा से हम पूरी तरह अपरिचित हैं. बौद्ध संस्कृत के अकेले महाकवि के रूप में जब-तब केवल अश्वघोष पर बात होती है, जिनका समय ईसा की दूसरी सदी का है. उनके भी सिर्फ एक ग्रंथ 'सौंदरानंद' का चौथाई हिस्सा और 'बुद्धचरित' से कुछ छिटपुट चीजें ही भारत में खोजी जा सकी हैं. फाह्यान के आने से लेकर ह्वेनसांग के जाने तक के जिस ढाई सौ साल लंबे दौर की हम बात कर रहे हैं, उसमें बौद्ध आचार्यों की दार्शनिक रचनाएं, टीकाएं, स्तोत्र और प्रार्थना पुस्तकें चीन और तिब्बत के अलावा समूचे पूर्वी एशिया में अनूदित रूप में और कभी-कभी नेपाल में ताड़पत्रों की लिखाई में अपने मूल रूप में भी मिल जाती हैं. लेकिन भारत में ये आश्चर्यजनक रूप से अनुपस्थित है. जैसे-जैसे चीनी और तिब्बती भाषाओं से बौद्ध ग्रंथों के अनुवाद सामने आ रहे हैं।

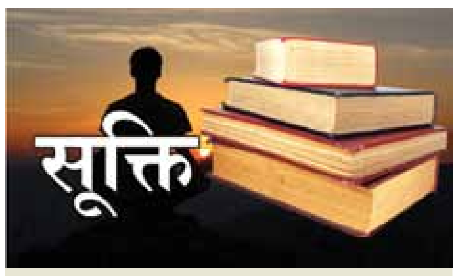

सत्य से प्यार करें और गलती को क्षमा कर दें।
वाल्टेयर

बुद्धिमता की पुस्तक में ईमानदारी सबसे पहला अध्याय है।
अज्ञात

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि चौथ, शुक्रवासरे, रेवती नक्षत्रे, कौलव करणे, मेष की चंद्रमा, रक्षा पंचक समाप्त, राष्ट्रीय भाद्रपद सापन, कन्या राशि तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर किन्तु जिद्दी-हठी, स्वतंत्र विचार का मुहफट, उद्देश्यपूर्ण करने वाला, बड़ा कुशल, उद्यमी, वक्ता-अधिवक्ता, राजनीतिज्ञ तथा सैनिक, सिपाही, कमांडर होगा।

मेष :- आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, दैनिक कार्यगति में सुधार होगा, कार्ययोजना अवश्य बनेगी।

वृष :- समय की अनुकूलता से लाभांवित होंगे, विवादग्रस्त होने से अवश्य बचें।

मिथुन :- मनोबल उत्साह वर्धक होगा, इष्ट मित्र सुखवर्धक रहें, विशेष कार्य अवश्य ही बनेंगे।

कर्क :- स्वास्थ्य हानि से बेचैनी, मानसिक उद्विग्नता, शरीर क्षमता कमजोर पड़ेगी, ध्यान रखें।

सिंह :- आशानुकूल सफलता का हर्ष, कार्यवृत्ति में सुधार के योग बनेंगे, समय का ध्यान अवश्य रखें।

कन्या :- समय पर सोचे हुए कार्य बनेंगे किन्तु कुछ बाधा व विलम्ब अवश्य होगा।

तुला :- मानसिक क्लेश व अशांति, मनोवृत्ति मलिन रहे तथा विरोधी तत्व परेशान अवश्य करें।

वृश्चिक :- आर्थिक योजना पूर्ण हों, सफलता के साधन जुटायें, कार्य संतोष की चिन्ता होगी।

धनु :- कार्य योजना फलीभूत होगी, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा, रुके कार्य बनेंगे।

मकर :- इष्ट मित्रों से सुख-ऐश्वर्य की प्राप्ति, स्त्री वर्ग से हर्ष, तनाव तथा क्लेश, अशांति बनेगी।

कुम्भ :- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि, कार्य कुशलता से संतोष एवं रुके कार्य बनेंगे।

मीन :- दैनिक कार्यगति में सुधार, प्रत्येक कार्य में बाधा उद्विग्नता अवश्य बनेगी।

कानून का खौफ होता तो नहीं होता कोलकाताकांड

प्रियंका सौरभ

साल 2012 में दिल्ली के निर्भयाकांड के यौन हिंसा पर सख्त कानून बनाए गए और बलात्कार पर मौत की सजा का प्रावधान किया गया। इसके बावजूद यौन अपराध खत्म नहीं हुए । दुष्कर्म की प्रकृति अधिक आक्रामक, अधिक क्रूर हो गई है और एक हद तक सतर्कतावाद और गैंगस्टरवाद का एक रूप बन गई है। भारत में लगभग हर दिन क्रूर बलात्कार की रिपोर्ट दर्ज होती है।हाल के वर्षों में भयावह यौन हमलों की रिपोर्ट में वृद्धि हुई है। समाजशात्री कहते हैं कि यह नया भारत है जहां कानून का शासन पूरी तरह से टूट गया है, जिसका सीधा असर महिलाओं पर पड़ रहा है, क्योंकि यह पितृसत्ता के बेधड़क अतिक्रमणों का दौर भी है। पीड़ितों के इर्द-गिर्द प्रचलित कलंक और पुलिस जांच में विश्वास की कमी के कारण बड़ी संख्या में बलात्कार की रिपोर्ट नहीं की जाती है। भारत की पंगु पड़ी आपराधिक न्याय प्रणाली में मामले सालों तक अटके रहने के कारण दोष सिद्धि दुर्लभ बनी हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, भारत में औसतन प्रतिदिन लगभग 90 बलात्कार की घटनाएं होती हैं। वर्ष 2022 में पुलिस ने एक युवती के साथ कथित क्रूर सामूहिक बलात्कार और यातना के बाद 11 लोगों को गिरफ्तार किया। इस युवती को दिल्ली की सड़कों पर घुमाया गया था। 2022 में ही भारत में एक पुलिस अधिकारी को भी गिरफ्तार किया गया था। उन पर एक 13 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार करने का आरोप है, जो अपने साथ हुए सामूहिक बलात्कार की रिपोर्ट करने के लिए उनके पुलिस स्टेशन गई थी। मार्च में, अपने पति के साथ मोटरसाइकिल यात्रा पर गई एक स्पेनिश पर्यटक के सामूहिक बलात्कार के बाद कई भारतीय पुरुषों को गिरफ्तार किया गया था। 2021 में मुंबई में एक 34 वर्षीय महिला की बलात्कार और क्रूरतापूर्वक प्रताड़ित किए जाने के बाद मृत्यु हो गई। निर्भयाकांड के बाद कोलकाता के आरजी कर रेप और हत्याकांड ने एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे को सुर्खियों में ला दिया है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा अब तो आम हो गई है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया पर ट्रोल, जो हर मुखर महिला या उसकी बेटी को चुप कराना, गाली देना या बलात्कार करना चाहते हैं, उन्हें जवाबदेह नहीं बनाया जाता है। उल्लंघनकर्ताओं के पास बढ़ती हुई दंडमुक्ति और न्यायिक साधन भी राजनीतिक आकाओं के सामने आत्मसमर्पण करने के साथ, बलात्कार से लड़ना कठिन हो गया है। देश में महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों में वृद्धि, साथ ही देश की कठोर जाति व्यवस्था के सबसे निचले पायदान पर रहने वालों के साथ व्यवहार, ऊपर से नीचे तक दंडमुक्ति की संस्कृति के परिणामस्वरूप एक उत्साहजनक कारक के रूप में कार्य करता है। यह महिलाओं के अधिक सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा करने और लगभग सभी क्षेत्रों में पुरुष आधिपत्य को चुनौती देने के खिलाफ एक प्रतिक्रिया है। अधिकांश पुरुष अभिभूत हैं और नहीं जानते कि अपने आहत अहंकार को कैसे संभालें और व्यापक बेरोजगारी ने समग्र रूप से निराशा पैदा की है। भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में मामलों के वर्षों तक अटके रहने के साथ दोषसिद्धि का निम्न स्तर भी ऐसे क्रूर अपराधों का जन्मदाता है। पुरुष अकसर यौन हिंसा का इस्तेमाल दमनकारी लिंग और जाति पदानुक्रम को मजबूत करने के लिए एक हथियार के रूप में करते हैं। बलात्कार की घटनाओं की संख्या में वृद्धि और मुखालफत के लिए अधिक संख्या में महिलाओं के आगे आने के बावजूद देश में सजा की दर कम बनी हुई है। कई मामलों में, सबूतों की कमी को अकसर कम सजा दर या उच्च न्यायालयों द्वारा सजा को पलटने का कारण बताया जाता है। कुछ साल पहले स्पेनिश पर्यटक के साथ जो हुआ वह पूरी तरह से अस्वीकार्य है और देश में अराजकता के बारे में बहुत कुछ बताता है। हम जानते हैं कि यौन अपराधों की बहुत कम रिपोर्टिंग होती है और इसे बदलना होगा। अगर यह बलात्कार संस्कृति नहीं है, जिसे समाज के समझदार पुरुषों और महिलाओं, संस्थानों और सरकारी अंगों द्वारा समर्थित और बरकरार रखा जाता है, तो यह क्या है? आप सभी कानून, सभी तेज अदालतें, यहां तक कि मौत की सजा भी ला सकते हैं, लेकिन कुछ भी नहीं बदल सकता जब तक कि एक समान मानसिकता में बदलाव न हो जो लड़कियों और महिलाओं के बारे में सोचने का एक नया तरीका शुरू करे। हमने बलात्कार संस्कृति को खत्म करने का काम भी शुरू नहीं किया है। हमने पितृसत्ता को जलाने वाली माचिस भी नहीं जलाई है। दिसंबर 2012 में सरकार ने आखिरकार हमारी बात जरूर सुनी थी।

प्रशिक्षु डॉक्टर की हत्या और गर्तगामी समाज

कुलभूषण उपमन्यु

कोलकाता में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की जघन्य हत्या की गुत्थी उलझती जा रही है। पूरा देश हतप्रभ है कि ये हो क्या रहा है जिस तरह की संभावना सीबीआई जांच में उभर कर आ रही है, वे सोच से परे की गिरावट का परिदृश्य पैदा करने वाली है। एक चिकित्सा संस्थान कैसे यौन अपराध का रैकेट चालक, ड्रग तस्करी में लिप्त और अवैध अंग तस्करी जैसी जघन्य गतिविधियों का ठिकाना हो सकता है। उस अपराध की शिकार महिला से बलात्कार के पीछे के कारणों में यदि अंग तस्करी और ड्रग तस्करी जैसी अपराधिक गतिविधियां भी जुड़ी हों तो यह मामला अति गंभीर श्रेणी का हो जाता है, जिस पर से पर्दा उठना अत्यावश्यक हो जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि जिन के ऊपर न्यायिक प्रक्रिया में मददगार होने की प्रशासनिक जिम्मेदारी है, वही प्रशासन अपराधियों का संरक्षण करता दीखता है। स्वयं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का व्यवहार कितना ओछा और हैरान करने वाला है। जब वे प्रशासनिक कर्तव्यों का निर्वहन करने के बजाये स्वयं यात्रा निकाल कर घटना का विरोध करने निकल पड़ती हैं। यह समझ नहीं आता कि वे किसका विरोध कर रही हैं और किससे सजा दिलाने की मांग कर रही हैं। यह तो राज्य सरकार का ही कार्य है और वही राज्य की मुखिया हैं। शक के दायरे में कॉलेज के प्रिंसिपल का व्यवहार भी है। उसे बचाने के प्रयास क्यों किये जा रहे हैं। जिसे हत्या की सूचना पुलिस को समय पर न देने का जिम्मेदार ठहरा कर निलंबित किया जाना चाहिए था, उसे दूसरे कॉलेज का प्राचार्य बना कर पुरस्कृत करने या संरक्षित करने का कार्य हैरान करने वाला है। सवाल यह है कि हत्या के प्रकट मामले को आत्महत्या क्यों दिखाने के प्रयास हुए हैं। इसमें पुलिस प्रशासन की भूमिका क्यों संदिग्ध बनी हुई है। प्रथम दृष्टया हत्या दिखने वाले मामले को पुलिस आत्महत्या दिखाने का प्रयास करे तो यह बहुत गंभीर मामला बनता है। पूरे केस की जांच करके सच्चाई को न्यायालय के सामने अपराधी को दंडित करने के लिए पेश करना, असल जिम्मेदारी पुलिस की ही है। आरंभिक जांच में ऐसी कोताही बरतना अक्षम्य है जांच के लिए घटनास्थल पर सबूतों को एकत्र करना, सबूतों को संरक्षित करना पुलिस की ही जिम्मेदारी है। इसमें पुलिस सोई हुई क्यों लगती है। क्यों घटनास्थल को खुला छोड़ कर साक्ष्यों को नष्ट करने का मौका अपराधी तत्वों को दिया गया। जांच कार्य के बीच में ही घटनास्थल के साथ तोड़फोड़ करने के पीछे क्या मंशा है। ऐसे कई संदेह पैदा करने वाले तथ्य खबरों से निकल कर आ रहे हैं। वैसे ममता के कार्यकाल में अराजकता के अनेक मामले पहले भी उभरते रहे हैं। संदेशखाली

की घटना तो अभी ताजा ही है। चुनाव के बाद की हिंसा में विरोधियों को प्रताड़ित करने की छूट और उस पर राजनेताओं और प्रशासन की चुप्पी, पंचायत चुनावों के बाद हुई खुली हिंसा पश्चिम बंगाल में प्रशासन की निष्पक्षता को संदिग्ध बनाते हैं, जहां विरोधी दलों के समर्थकों के साथ हिंसक प्रतिकार की छूट प्रशासन द्वारा दी जाती है। यहां तक की गवर्नर और राज्य की उच्च न्यायालय भी इस पर टिप्पणियां करते रहे हैं। कानून व्यवस्था के मामलों में इस तरह का भेदभाव व्यवस्था को कमजोर करता है और आपराधिक भूमिका वाले लोगों के हौसले बढाता है। किसी भी प्रजातांत्रिक व्यवस्था को इससे बचना चाहिए। प्रजातंत्र का मूल तो कानून का शासन है, जिसमें भेदभाव की कोई गुंजाइश नहीं हो सकती। शायद बंगाल, वामपंथी शासन के समय की इलाका दखल संस्कृति से अभी उबर नहीं पाया है, या ममता बनर्जी ने भी उसी कार्यप्रणाली को अपना लिया है ताकि विरोध के स्वरों को उठने ही न दिया जाए। यह एकदलीय शासन की स्थापना की इच्छा का द्योतक है। विरोधी पक्ष भी ऐसी स्थितियों में राजनीतिक लाभ के चक्कर में पड़ने लग जाता है। एक ऐसी अस्वस्थ बहस होने लग जाती है कि आपके शासित राज्य में भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं। सच में ऐसा हो भी रहा है अभी देहरादून में एक मानसिक रूप से कमजोर लड़की के साथ दुराचार का मामला सामने आया है। अपराधी पकड़े गए हैं किन्तु मेरी गलती और तेरी गलती करके गलती माफ नहीं की जा सकती। असल बात यह है कि जहां भी ऐसी घटना हो वहां अपनी प्रशासनिक और राजनीतिक जिम्मेदारी दलगत ओछी राजनीति से ऊपर उठ कर पूरी की जानी चाहिए। निर्भया मामले के बाद लगा था कि हालात सुधरेंगे किन्तु नहीं। केवल कानून सख्त बना देने से काम होना वाला नहीं, कानून को लागू करने वाली मशीन भी गंभीर होनी चाहिए। और अंत में यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि हमारे बच्चों को नैतिक तरबियत जो घर से ही दी जा सकती है। उसका ध्यान रखा जाना चाहिए। कानून तो उल्लंघन करने वालों के लिए ही है। यदि आपराधिक सोच ही कम होती जाए तो ऐसी घटनाएं होना ही कम हो जाएंगी। यह काम तो घरों से ही शुरू होना चाहिए। आशा की जानी चाहिए कि पीड़ित महिला डॉक्टर को न्याय मिलेगा और आगे के लिए भी सुधार का मार्ग सुनिश्चित हो सकेगा। तब तक जागते रहें।

शर्मनाकः देह व्यापार का पर्दाफाश, देवभूमि शर्मसार ?

नरेन्द्र भारती

महानगरों की गंदी संस्कृति का हिमाचल में आगाज अशुभ सकेंत है।यह प्रलय की आहट है। 8अगस्त को मशहूर पर्यटन स्थल कुल्लू के भुंतर में मनीकरण चौक पर एक होटल में रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश हुआ है पुलिस ने 10 युवतीयों को गिरफ्तार किया है। नेपाल की युवतियाँ यह रैकेट चला रही थी । यह कोई पहला मामला नहीं है कुछ साल पहले मनाली में सैक्स रैकेट का मामला प्रकाश में आया था सैक्सरेकेट के पकड़े जाने से हर हिमाचली शर्मसार हुआ है।यह मामला हर समाचार पत्र की सुर्खियां बना हुआ है।देह व्यापार के संदेह में पुलिस ने जिस्मफरोशी से जुडी 9 महिलाओं और 2 पुरुषों को हिरासत में लिया था ।जिस्मफरोशी में पकडी गई महिलाएं पंजाब ,हरियाण व उतर प्रदेश की थी ।कैसी विडबवा है कि पड़ोसी राज्यों की इन महिलाओं की वजह से देवभूमि की साख पर बटटा लगा है।दो दलाल भी पकड़े गए है। समाचार पत्रों में खबरों के अनुसार गत वर्ष ऐसा ही एक पर्दाफाश राजधानी शिमला में हुआ था जहां मालरोड़ पर एक मसाज सैंटर में जिस्मफरोशी का कारोबार चलता था जिसका शिमला पुलिस से पर्दाफाश करके छह युवतियों समेत 8 को गिरफतार किया था।सैक्स रेकेट में पकड़ी गई युवतियों में एक थाईलैंड,तीन मणिपुर व तीन दिल्ली के रहने वाली थी।मसाज सैंटर के प्रबंधक को भी गिरफतार कर लिया था।प्रदेश सरकार को इस पर संज्ञान लेना होगा ताकि हिमाचल की अस्मिता पर दाग न लगे।दलालों को जेल के सीखचों में डालना चाहिए जो हिमाचल में ऐसे अडडे चला रहे है।मगरमच्छों को पकड़ना होगा ताकि यह कारोबार बंद हो सके।विदेशियों की पूरी छानबीन करनी होगी तथा अन्य राज्यों से आने वालों पर भी नजर रखनी होगी। गत वर्ष भी शिमला के एक होटल में पांच युवतियों सहित दस लोगों का पकड़े जाने से देवभूमि से विख्यात हिमाचल शर्मसार हुआ था। समझ नहीं आता कि बाहरी राज्यों से घूमने आने वाले लोग हिमाचल में भी गंदी संस्कृति की शरणस्थली बनाना चाहते हैं। इन घटनाओं से प्रदेश की छवि धूमिल होती जा रही हैं। समय-समय पर ऐसे मामले सुर्खियां बनती रहती है।हिमाचल में ऐसे मामलों की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। दिल्ली ,मुम्बई ,कलकता व मद्रास जैसे महानगरों की इस संस्कृति को हिमाचली समाज कभी मान्यता नहीं दे सकता क्योकि देवभूमि में लक्ष्मण रेखा को लाघने वालों को हिमाचल समाज कभी नहीं बख्सेगा। मगर प्रदेश में घटित इन प्रकरणों से यह साबित हो रहा है कि इसकी जड़े गहरी होती जा रही हैं। देह व्यापार की इस विष बेल को काटना समय की मांग है तथा प्रदेश में देह व्यापार का विष फैलाने वाली इन विषकन्याओं का फन कुचलना होगा ताकि आने वाले समय में कोई इनका शिकार न हो सके। कंड़ाघाट में भी एक होटल में छापामारी के दौरान चार युवक व चार युवतियों को पकड़ा गया था।पकड़े गए युवकों में दो बग्लादेशी तथा अन्य युवक हरियाणा के रहने वाले थे। शिमला के एक होटल से जिस्मफरोशी करने वाली युवतियों को पकड़ा था। गत वर्ष चंबा में भी एक सैक्स रैकेट का पर्दाफाश हुआ था। कुछ वर्ष पहले कुल्लू में भी सैक्स रैकेट चलाने वाली युवतियों को पकड़ा था।इन घटनाओं से प्रदेश पर एक प्रशनचिन्ह लग गया है।विडंवना देखिए कि चंद चांदी के सिक्कों की खनक के कारण शिक्षित व गरीबी की मार झेल रही व अभावग्रस्त नौजवान युवतियां दलालों के हाथों नीलाम हो रही है। और अपना जीवन बरबाद कर रही है। इस दलदल मे एक बार फंस गई तो इससे से बाहर निकलना बहुत ही मुशिकल है क्योकि ऐशो आराम की जिन्दगी जीने के लिए ऐसे अनैतिक व अवैध कारोबार में सलिप्त युबतियां को समाज में जलालत व जेलों में कैद होती है तो इनकी जिन्दगी नरक बन जाती है तब इन्हे होश आता है। आधुनिक दुनिया की चकाचैध में बढ़ती महत्वकांक्षाएं ही ऐसे गलत कार्य करवाती है तथा समाज में रुतबा बनाना तथा रातों-रात अमीर बनने के चक्कर में युवतियां ऐसे गलत काम को अंजाम दे रही है। आजिविका के लिए और भी कई सम्माजनक काम है।प्रदेश में ऐसे मामलो से समाज में चिंता पैदा कर दी है कि हिमाचल में यह सब घटित हो रहा है और हिमाचल पर बदनामी के दाग चस्पां हो रहे हैं। हिमाचल में घूमने के नाम पर पर्यटक होटलों में जिस्म फरोशी कर रहे है।ऐसे होटल प्रबंधकों के होटलों के लाईसैंस रदद करने चाहिए तथा मालिकों व प्रबंधकों के विरुद्ध कारवाई करनी चाहिए जो चंद पैसों की खातिर हिमाचल में देह व्यापार करवा रहे हैं।इन पैसे के लालची व नीच हरकतें करवाने वाले होटल चलाने वालों के कारण हिमाचल की साख को बटटा लगा है। हिमाचली समाज ऐसे कारनामों की कभी इजाजत नहीं देगा यहां के लोग की विश्व में अलग पहचान है।गनीमत रही की इन जिस्म फरोशी करने वालों मे हिमाचली की कोई युवती नहीं है यह युवतियां बाहरी देशों व अन्य राज्यों की है मगर यह बहुत ही दुर्भाग्य है कि हिमाचल में यह लोग गैर-कानुनी कार्य करके हिमाचल को बदनाम कर रहे हैं।पुलिस को चाहिए कि राज्य में हर होटल वालों की समय-समय पर निगरानी रखी जाए तथा होटल वालों को चाहिए कि हर आने-जाने वालों की पूरी छानबीन करने के बाद ही होटलों में रहने दिया जाए।पहचान-पत्र,आधार कार्ड और अन्य दस्वावेजों को देखकर ही कमरा दिया जाए।हिमाचली समाज को आगे आना होगा तथा ऐसे गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ लामबंद होना होगा ताकि आने वाले समय में ऐसे प्रकरणों पर रोक लगाई जा सके।पुलिस को भी बाहरी राज्यों से आने वालों की पूरी छानबीन करने के बाद ही हिमाचल की सीमा में प्रवेश करने दिया जाए ताकि ऐसे सदिग्ध लोगों की पहचान हो सके।पुलिस को इस रैकेट को चलाने वालों को बेनकाब करना चाहिए।ऐसे नीच कारोबार करने वालों को सजा देनी चाहिए जो समाज में गंदगी का प्रसार कर रहे है।इस गिरोह को नेस्तनाबूद करना होगा ताकि भविष्य में प्रदेश में ऐसे मामलों पर रोक लग सके।और प्रदेश में अनैतिक काम करने वालो पर शिकंजा कसा जाए।इस मामले में पुलिस सक्रिय रही तो मामले की सारी गुत्थियां भी सुलझेंगी और दोषी भी बेनकाब होगें। सैक्स रैकेट चलाने वाले दलालों कों हवालात में डालना चाहिए भले ही इन युवतियों को अदालत ने जमानत पर रिहा कर दिया है परन्तु देवभूमि पर लगा यह दाग कैसे मिटेगा। वक्त अभी संभलने का है। दलालों को सरेआम बेनकाब किया जाए यह प्रदेश हित मे है ।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रोमांचक करियर चुनना चाहते हैं, तो चुने फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट का क्षेत्र

गर्मियों में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसके अलावा, मानवीय भूलों से भी ऐसी घटनाएं बड़े हादसे के रूप में सामने आती हैं। ऐसी घटनाओं से होने वाली क्षति को कम करने और राहत पहुंचाने में फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट के एक्सपर्ट काफी मददगार होते हैं। अगर आप सोशल सर्विस से जुड़े किसी रोमांचक करियर को चुनना चाहते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए बेहतर हो सकता है।

फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट में ट्रेंड मैनपावर की मांग न सिर्फ सरकारी विभागों में, बल्कि निजी क्षेत्र में भी बढ़ रही है। गर्मियों में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसके अलावा, मानवीय भूलों से भी ऐसी घटनाएं बड़े हादसे के रूप में सामने आती हैं। ऐसी घटनाओं से होने वाली क्षति को कम करने और राहत पहुंचाने में फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट के एक्सपर्ट काफी मददगार होते हैं। अगर आप सोशल सर्विस से जुड़े किसी रोमांचक करियर को चुनना चाहते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए बेहतर हो सकता है। फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट में ट्रेंड मैनपावर की मांग न सिर्फ सरकारी विभागों में, बल्कि निजी क्षेत्र में भी बढ़ रही है।

जरूरत मैनपावर की

देश भर में फायर सर्विसेज में मैनपावर की करीब 92 प्रतिशत कमी है। नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स एंड सिविल डिफेंस (एनडीआरएफ एंड सीडी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में सबसे ज्यादा करीब 96.28 प्रतिशत फायरमैन की शॉर्टेज है। शहरों की फायर सर्विसेज में भी करीब 78 प्रतिशत मैनपावर की कमी है। फायर स्टेशंस की भी कमी करीब 72 प्रतिशत तक है। खुद केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, देश में आबादी के लिहाज से करीब 8,500 फायर स्टेशंस चाहिए, जबकि इनकी संख्या अभी सिर्फ 2,900 के आसपास है। यही कारण है कि आने वाले वर्षों में सिर्फ प्राइवेट ही नहीं, सरकारी फायर विभागों में भी जॉब के ढेर सारे अवसर पैदा होंगे।

जॉब के अवसर

फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट के जानकारों की जरूरत सिर्फ देश में ही नहीं, विदेश में भी बहुत है, खास तौर पर तेल उत्पादक खाड़ी देशों में। गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी के डॉ अमन अग्रवाल के अनुसार, फायर एंड सेफ्टी के प्रोफेशनल्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनीज, हैवी इंजीनियरिंग इंडस्ट्री, रिफाइनरीज, पेट्रोकेमिकल्स कंपनीज, प्लास्टिक कंपनीज, फर्टिलाइजर फैक्टरीज, टेक्सटाइल मिल्स, एलपीजी/ एलएनजी बॉटलिंग प्लांट्स, एयरपोर्ट्स, पोर्ट्स, पावर प्लांट्स, केमिकल कंपनीज, कंस्ट्रक्शन सेक्टर जैसे क्षेत्रों में जॉब पा सकते हैं। ट्रेंड युवा सेफ्टी इंजीनियर, सेफ्टी ऑफिसर, सेफ्टी सुपरवाइजर, सेफ्टी इंस्पेक्टर, सेफ्टी ऑडिटर, फायर प्रोटेक्शन डिजाइन इंजीनियर, फायर प्रोटेक्शन एस्टीमेशन इंजीनियर, फायर अलार्म टेक्निशियन जैसे पदों पर करियर बना सकते हैं। फायर स्टेशंस में आप फायरमैन, स्टेशन ऑफिसर या चीफ फायर ऑफिसर आदि बन सकते हैं।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के डायरेक्टर जेड एस लाकरा के अनुसार, देश के कई संस्थानों में फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट से जुड़े डिग्री, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्सेज संचालित हो रहे हैं। 10वीं पास युवा सर्टिफिकेट कोर्स के जरिए इस फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। अगर आप किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास हैं, तो अंडरग्रेजुएट या डिप्लोमा कोर्स करके फायर ऑफिसर बन सकते हैं। आजकल तमाम संस्थान फायर इंजीनियरिंग में भी कोर्स ऑफर कर रहे हैं।

खुद का व्यवसाय भी

फायर सर्विस, दिल्ली के डायरेक्टर डॉ जीसी मिश्रा बताते हैं, अभी तक लोग सिर्फ नागपुर फायर सेफ्टी इंस्टीट्यूट से ही पढ़ाई करके इस फील्ड में आते रहे हैं मगर अब अन्य स्थानों पर भी प्रशिक्षण की सुविधा है। चुनौतियों को पसंद करने वाले युवा फायर सर्विसेज से जुड़ सकते हैं। सरकारी व निजी दोनों क्षेत्रों में अवसर हैं। बिल्डिंग फायर मटेरियल इंस्टॉलेशन, फायर सेफ्टी ऑडिटर के रूप में खुद का व्यवसाय भी कर सकते हैं।

भारतीय नौसेना में कैसे बनाएं करियर?

नौसेना भारतीय सशस्त्र बलों की समुद्री शाखा है, जो समुद्र की सुरक्षा पर केंद्रित है। अगर आप एक एडवेंचर से भरी लाइफ जीना चाहते हैं और देश की सेवा करना चाहते हैं, तो भारतीय नौसेना में भर्ती हो जाइए। इस आर्टिकल में हमनें नौसेना में भर्ती होने के कई विकल्पों के बारे में जानकारी दी है।

भारतीय नौसेना देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करती है। इसके साथ ही यह अन्य देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय संबंध बनाने का भी काम करती है। यह एक सुरक्षित समुद्री वातावरण बनाने के लिए शिक्षा, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल, चिकित्सा जैसे कई डोमेन में कैरियर के विभिन्न अवसर प्रदान करती है। यदि आप भी नौसेना में नौकरी पाना चाहते हैं, तो आपके पास बहुत सारे अवसर हैं। आप अपनी शिक्षा और इंटरेस्ट के हिसाब से इनमें से एक चुन सकते हैं। इस आर्टिकल में, हम आपको कुछ ऑप्शन के बारे में बता रहे हैं।

भारतीय नौसेना अग्निवीर

अग्निवीर के रूप में आप एक हाई-टेक ऑर्गेनाइजेशन का हिस्सा बनेंगे। आपको एयरक्राफ्ट कैरियर, गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर, फ्रिगेट्स और अत्यधिक तकनीकी और आकर्षक पनडुब्बियों और विमानों जैसे शक्तिशाली, आधुनिक जहाजों में सेवा करने को मिलेगा। अग्निवीर उम्मीदवारों की आयु साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष के बीच होनी चाहिए। नौसेना में अग्निवीर बनने के लिए आपको गणित और फिजिक्स के साथ 12वीं में कम से कम 50% मार्क्स के साथ पास होना चाहिए। इसके लिए 12वीं का एग्जाम दे रहे अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकेंगे।

नेशनल डिफेंस एकेडमी परीक्षा

इस भर्ती को UPSC के साथ मिलकर आयोजित किया जाता है। उम्मीदवारों की आयु 16.5 से 19.5 वर्ष के बीच होनी चाहिए। उम्मीदवारों ने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं की शिक्षा पूरी की हो। इसमें UPSC द्वारा एक लिखित परीक्षा का आयोजन होता है। उसमें पास होने वाले छात्र आगे इंटरव्यू के लिए जाते हैं। इसके बाद भारतीय नौसेना द्वारा एक मेडिकल परीक्षण करने के बाद UPSC एक अंतिम मेरिट लिस्ट बनाती है। NDA नौसेना के लिए IHQ MoD (सेना)/ADG (भर्ती) नियुक्ति करती है और नौसेना अकादमी के लिए IHQ MoD/DMPR द्वारा नियुक्ति की जाती है।

कंबाइंड डिफेंस सर्विस एग्जामिनेशन

कंबाइंड डिफेंस सर्विस एग्जामिनेशन (CDS) परीक्षा भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के अधिकारियों की भर्ती के लिए यूनियन पब्लिक सर्विस कमिशन द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की रक्षा प्रवेश परीक्षा है। इसमें अप्लाई करने के लिए आपकी उम्र 20-24 साल होनी चाहिए। उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की डिग्री होनी चाहिए। CDS में एक लिखित परीक्षा होती है जिसका आयोजन UPSC करता है। उसके बाद स्स्क्रइंटरव्यू होता है। भारतीय नौसेना (केवल नौसेना उम्मीदवारों के लिए) द्वारा मेडिकल परीक्षण किया जाता है। इसके बाद CDS एक अंतिम मेरिट लिस्ट बनाती है और सिलेक्ट हुए उम्मीदवारों को नौसेना में शामिल किया जाता है।

NCC एंट्री

CDSE विज्ञापन के साथ ही नेवल विंग सीनियर डिवीजन में NCC 'C' सर्टिफिकेट धारकों के लिए जॉब्स निकलती हैं। NCC सर्टिफिकेट के साथ उम्मीदवारों के पास बी.ई./बी.टेक की डिग्री होनी चाहिए। इसके लिए कोई लिखित परीक्षा आयोजित नहीं की जाती है। पात्र उम्मीदवारों को अपना आवेदन डीजीएनसीसी के माध्यम से सीधे IHQ MoD (N)/DMPR को भेजना होता है। इसके बाद उम्मीदवारों को इंटरव्यू पास करना होता है। स्स्क्रमें सफल हुए उम्मीदवार मेडिकल टेस्ट देते हैं। फिट पाए जाने पर ऑल इंडिया मेरिट के आधार पर भारतीय नौसेना में शामिल होते हैं।

अंडरग्रेजुएट लेवल एंट्री के लिए परमानेंट कमीशन, डायरेक्ट एंट्री, 10+2 (बी.टेक)

अंडरग्रेजुएट लेवल एंट्री के लिए परमानेंट कमीशन, डायरेक्ट एंट्री, 10+2 (बी.टेक) इसमें PCM में 70% मार्क्स के साथ 12वीं पास करने वाले छात्र अप्लाई कर सकते हैं। इसके साथ ही 10वीं या 12वीं कक्षा में उनके अंग्रेजी में 50% मार्क्स आए हों। 10+2 (बी.टेक) में प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए जेईई (मेन्स) की रैंक भी अनिवार्य है। उम्मीदवारों को ऑल इंडिया रैंक के आधार पर स्स्क्रके लिए शॉर्टलिस्ट किया जाता है। स्स्क्र के बाद योग्य उम्मीदवारों की मेरिट लिस्ट तैयार की जाती है। लिस्ट में उनके नंबर के आधार पर योग्यता के क्रम में उम्मीदवारों को नियुक्त किया जाता है।

इंडियन नेवी एंट्रेंस टेस्ट /नॉर्मलाइजेशन

इंडियन नेवी एंट्रेंस टेस्ट (INET) IHQ MoD (नौसेना)/DMPR के अंतर्गत होने वाली एक ऑफिसर एंट्री है। यह परमानेंट कमिशन और शॉर्ट सर्विस कमीशन दोनों के लिए होती है। INET का आयोजन एक वर्ष में दो बार होता है। INET (ऑफिसर) एक कंप्यूटर आधारित लिखित परीक्षा है। इसमें चार खंड होते हैं और उम्मीदवार को सभी चार खंडों में मिनिमम 40% अंक लाने होते हैं। INET रैंक कम प्रेफरेंस के आधार पर उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया जाता है। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवार इंटरव्यू में भाग लेते हैं। INET (50% वेटेज) और SSB (50% वेटेज) दोनों के मार्क्स के आधार पर मेरिट सूची बनाई जाती है और वे नौसेना में शामिल होते हैं।

असफलता के बाद इस तरह बना सकते हैं राहें आसान

इन दिनों नकारात्मक वजहों से बनने वाली ये सुर्खियां विद्यार्थियों से लेकर अभिभावकों और शिक्षकों हर किसी को गंभीर चिंतन के लिए विवश कर रही हैं। विद्यार्थी जिस तरह पढ़ाई और परिणाम में बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण आत्महत्या कर रहे हैं, वह हर किसी को मर्माहत करने वाला है। इस तरह की घटनाओं के पीछे कई सवाल हैं, जिनका समाधान खोजना बेहद जरूरी लगता है। आखिर क्या कारण है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनने की तैयारी में लगे ये विद्यार्थी अचानक आत्मघाती कदम उठा बैठते हैं? क्यों वे असमय ही अपने सुनहरे सपनों का गला घोंट देते हैं?

सपने पूरे करने का दबाव

ऐसी घटनाओं के पीछे जो सबसे बड़ा कारण नजर आता है, वह है माता-पिता की अपनी संतान से अव्यवहारिक अपेक्षाएं। दरअसल, बच्चे के बड़े होने के साथ-साथ पैरेंट्स के सपने भी पलने और बड़े होने लगते हैं। कई बार माता-पिता के अपने सपने अधूरे होते हैं, जिन्हें वे अपनी संतान के जरिए पूरा करने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा, वे अपने मित्रों, रिश्तेदारों, पास-पड़ोस, शहर या गांव के सफल लोगों से भी प्रभावित होकर अपनी संतान को उनके जैसा बनाना चाहते हैं। विद्यार्थियों का इंजीनियरिंग या मेडिकल की पढ़ाई की ओर भागना भी इसी बात का सूचक है। ज्यादातर माता-पिता को यही लगता है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनकर ही उनका बच्चा सफल करियर की ओर कदम बढ़ा सकता है। इस सपने को पूरा करने के लिए वे अपने बच्चे की रुचि/ पसंद को अनदेखा कर देते हैं और उस पर दबाव डालते हैं कि वह उनकी पसंद के अनुसार ही करियर की राह पर चले।इससे विद्यार्थियों पर दबाव बढ़ जाता है।

उत्साह में कमी तो नहीं

हो सकता है कि आप इंजीनियरिंग या मेडिकल के लिए बिल्कुल फिट हों और उसमें आपका मन भी लग रहा हो लेकिन अगर ऐसा नहीं है, तो आप अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। अगर आपने अपनी इच्छानुसार भी कोई फील्ड चुन ली है और उसमें एडमिशन ले लिया है मगर आप खुद को अनमना महसूस कर रहे हैं, किसी काम को ठीक से नहीं कर पा रहे हैं या अपने में उत्साह की कमी पा रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि आप जिस राह पर चल रहे हैं, उसमें आपको कोई परेशानी है। ऐसे में आपको बेहिचक अपने माता-पिता से बात कर लेनी चाहिए।

खुली हैं तरक्की की राहें

आज के समय में सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना ही कामयाबी नहीं है। अब दर्जनों ऐसे क्षेत्र सामने आ गए हैं, जिनमें पहचान, पैसा और प्रसिद्धि पाई जा सकती है। यह बात विद्यार्थियों को समझनी भी होगी और अपने अभिभावकों को समझानी भी होगी। विद्यार्थी अगर अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़े, तो ही उसका भविष्य सुखद बन सकता है।

पैरेंट्स को करें राजी

आपमें से बहुत-से विद्यार्थियों ने इस साल 12वीं की परीक्षा दी होगी। अगर आप अपनी पसंद को समझते हैं, तो अपनी पसंद से अपने माता-पिता को अवगत कराएं। उन्हें कनविंस करें। हो सकता है कि पैरेंट्स आपको कम समझदार या परिपक्व समझकर आपकी बातों को तवज्जो न दें, लेकिन अगर आपको अच्छी तरह पता है कि आप किस फील्ड में जोरदार प्रदर्शन कर सकेंगे, तो इस बारे में डांट या नाराजगी की परवाह किए बिना पैरेंट्स के सामने अपनी बात रखने का प्रयास करें।

पीजीडीएम इन फाइनेंस क्यों है आपके लिए सही विकल्प?

प्रबंधन और कंसल्टेंसी के पारंपरिक फील्ड्स से बाहर निकलने की इच्छा रखने वाले कई छात्रों के लिए पीजीडीएम या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (फाइनेंस) एक महत्वपूर्ण विकल्प हो सकता है। दुनियां दिन प्रतिदिन तरक्की कर रही है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं आपस में ज्यादा जुड़ती जा रही हैं। इसलिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित वित्तीय सलाहकारों और प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है।

अगर आपकी रुचि वित्तीय प्रबंधन, वित्तीय विश्लेषण या वित्त से जुड़े अन्य फील्ड में है तो आपके लिए पीजीडीएम इन फाइनेंस बेहतर विकल्प हो सकता है। पीजीडीएम कोर्स को फाइनेंस सेक्टर की तमाम फील्ड के हिसाब से तैयार किया गया है।

ऐसे में फाइनेंस क्षेत्र एक फायदेमंद और गतिशील कैरियर हो सकता है।

कई क्षेत्रों में मौके

पीजीडीएम इन फाइनेंस न केवल वित्तीय मुद्दों से निपटने का स्किल देता है, बल्कि छात्रों को विभिन्न इंडस्ट्री के मुद्दों को समझने के लिए जरूरी ज्ञान भी देता है। ऐसे में आपके लिए फाइनेंस पीजीडीएम उपयोगी साबित हो सकता है।

नेटवर्किंग और वैश्विक अवसर

पीजीडीएम इन फाइनेंस छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर उद्योग के पेशेवरों, अन्य पीजीडीएम फाइनेंस छात्रों, गुरुओं और प्रोफेसरों के साथ सीखने और बातचीत करने का अवसर देता है। विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों, अतिथि व्याख्यानों, कार्यशालाओं और व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से, पीजीडीएम इन फाइनेंस छात्रों को नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करता है। साथ ही पीजीडीएम इन फाइनेंस ग्लोबल स्तर पर भी नौकरी के कई मौके प्रदान करता है।

इंडस्ट्री के अनुसार

पीजीडीएम इन फाइनेंस कार्यक्रम इंडस्ट्री के तौर-तरीकों के अनुसार बनाया गया है। इससे छात्रों को उद्योग के विशेषज्ञों और प्रोफेशनल्स के साथ बातचीत करने का अनूठा अवसर मिलता है, साथ ही उन्हें उद्योग से जुड़ा अत्याधुनिक और नवीनतम ज्ञान भी मिलता है। नवीनतम रुझानों और विकासों का अध्ययन करने से छात्रों को अपने करिया की शुरुआत में ही बढ़त मिलती है। पीजीडीएम इन फाइनेंस उन लोगों के लिए आदर्श है जो पहले से ही वित्तीय क्षेत्र में रुचि रखते हैं और जिनमें इस प्रतिस्पर्धी उद्योग के लिए योग्यता है। फाइनेंस पीजीडीएम वित्तीय बाजारों, विश्लेषण और रणनीतियों के एकीकृत पाठ्यक्रम को एक साथ जोड़ता है।

कैरियर में ग्रोथ

पीजीडीएम इन फाइनेंस आपको स्किल प्रदान करता है और युवा पेशेवरों को अपने कैरियर में आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाता है। वे चाहे कहीं भी अपना डिप्लोमा इस्तेमाल करें, उन्हें आकर्षक कैरियर के रास्ते जरूर मिलेंगे।

कंक्लूजन

पीजीडीएम इन फाइनेंस अपने छात्रों के लिए प्रतिस्पर्धी नौकरी बाजारों में सफल होने और वित्तीय ज्ञान और जानकारी से लैस व्यक्तिगत जीवन में भी सफल होने के द्वार खोलता है। वित्तीय सेक्टर में मदद में रुचि रखने वालों को यह कई अन्य मौके भी प्रदान करता है।

डायमंड लीग में नीरज पर रहेंगी नजरें , फाइनल के लिए जगह बनाना रहेगा लक्ष्य

लुसाने। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाडी नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार यहां लुसाने डायमंड लीग में उतरेंगे। इससें उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर 13 सितंबर को ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल के लिए जगह बनाना रहेगा। पेरिस ओलंपिक में नीरज को रजत पदक ही मिल पाया था। ऐसे में वह अपना प्रदर्शन यहां और बेहतर करना चाहेंगे। ओलंपिक पेरिस में नीरज ने 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत पदक जीता था। ऐसे में अब उनका लक्ष्य यहां 90 मीटर से अधिक रेंज हासिल करना रहेगा। नीरज अगर 10-मैन फील्ड में शीर्ष पर रहते हैं तो वे लुसाने में जीत की हैट्रिक पूरी कर सकते हैं। नीरज ने 87.66 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ 2023 में लुसाने डायमंड लीग जीती। नीरज ने 2022 में 89.08 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ लुसाने डायमंड लीग जीती थी। इस लीग में इस बार ओलंपिक स्वर्ण विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम भाग नहीं ले रहे हैं। लुसाने के अलावा एक और डायमंड लीग भाला फेंक प्रतियोगित 5 सितंबर को ज्यूरिख में होगी। नीरज वर्तमान में डायमंड ट्रॉफी 2023 के विजेता जैकब वडलेज 14 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर हैं जिन्होंने दोहा में जीत हासिल की जबकि पेरिस में तीसरा स्थान हासिल किया। एंडरसन पीटर्स 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं जबकि जर्मनी के जूलियन वेबर 8 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, ये सभी पेरिस में जीत से आए हैं। ऐसे में नीरज को इन सभी से टक्कर मिलेगी। नीरज दोहा में दूसरे स्थान पर रहने के बाद 7 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं, यह भारतीय डायमंड लीग की एकमात्र मीटिंग है जिसमें उन्होंने सत्र में अब तक भाग लिया है। शीर्ष 6 डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं।

द्रविड़, अगरकर और जय शाह की रही भारतीय टीम की टी20 विश्व कप जीत में अहम भूमिका : रोहित

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एक दशक के बाद टी20 विश्व कप में मिली जीत का श्रेय पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और बीसीसीआई सचिव जय शाह को दिया है। रोहित ने कहा कि इनकी बेहतरीन योजनाओं के कारण ही टीम आईसीसी खिताब हासिल कर पायी। इसका कारण है कि इन तीनों ने ही परिणामों की चिंता किए बिना खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने के प्रयास किये थे। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने जून में हुए विश्वकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरी बार ये खिताब जीता है। भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2007 में ये खिताब जीता था। रोहित ने साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष अंतरराष्ट्रय क्रिकेटर चुने जाने के बाद कहा, ''इस टीम को बदलना और आंकड़ों, परिणामों के बारे में ज्यादा चिंता नहीं करना, यह तय करना मेरा सपना था कि हम ऐसा माहौल बनाएं जहां लोग मैदान पर जाकर ज्यादा निडर होकर खेल सकें।'' उन्होंने कहा, ''इसी की हमें जरूरत थी। इस प्रकार के सारे अधिकार उन्हें द्रविड़, शाह और अगरकर से मिले थे। साथ ही कहा कि जीत इसलिए मिली क्योंकि सभी खिलाड़ियों ने समय-समय पर सही से अपनी जिम्मेदारी निभाई।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी एशेज जितनी ही अहम: स्टार्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहा है कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी एशेज की तरह ही एक महत्वपूर्ण सीरीज है। स्टार्क के अनुसार इस साल के अंत में भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्राफी में उनकी टीम जीत के लिए अपनी ओर से पूरा प्रयास करेगी। इस सीरीज में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह सीरीज भी एक प्रकार से प्रतिष्ठित एशेज जैसी ही हो जाएगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली इस सीरीज में 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। स्टार्क ने कहा, 'इस बार यह पांच मैच की श्रृंखला होगी जिससे अब यह एशेज श्रृंखला के समान ही महत्वपूर्ण हो गई है। ऑस्ट्रेलिया पिछले एक दशक से ही ये ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार सीरीज जीती हैं। भारत ने इस दौरान दो बार 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। स्टार्क के अनुसार उनकी टीम को इस बार केवल जीत नहीं बल्कि क्लीन स्वीप की जरुरत है। उन्होंने कहा, 'हम अपनी धरती पर हर मैच जीतना चाहते हैं पर हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है। भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। स्टार्क ने कहा, 'भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक पर कायम है। इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक सीरीज रहेगी। स्टार्क ने कहा है कि अभी उनका टेस्ट प्रारुप से संन्यास का कोई इरादा नहीं है और वह खेलते रहेंगे। वह अगले महीने सीमित ओवरों की सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएंगे और इसके बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए न्यू साउथ वेल्स की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे।

वापसी के बाद और भी घातक हुए बुमराह : साउदी

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट से उबरने के बाद और भी घातक गेंदबाजी करने लगे हैं। बुमराह ने आईसीसी टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन से विरोधी टीम के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया था। साउदी का मानना है कि बुमराह पीठ की चोट से वापसी के बाद से और भी अधिक खतरनाक हुए हैं। इस चोट के कारण बुमराह को पिछले साल अधिकतर समय मैदान से बाहर ही रहना पड़ा। बुमराह ने सितंबर 2022 में बाहर होने के बाद अगस्त 2023 में वापसी करते हुए कई सफलताएं हासिल की हैं। उन्हें हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने 'पिछले पांच-छह वर्षों में सारे प्रारुपों में खेलने वाला सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' करार दिया था। साउदी ने कहा, ''सबसे पहले तो बड़ी चोट से उबरकर वापसी करना और कई प्रारुपों में खेलना मुश्किल होता है पर इसके बाद भी बुमराह का प्रदर्शन बेहतर होता गया है।''

उन्होंने कहा, ''ऐसा लगता है कि वह आसानी से वापसी में सक्षम है। वह शायद अधिक अनुभवी है, अपने खेल को अच्छी तरह से समझता है। उसने चोट के बाद शानदार तरीके से वापसी की। हमने तीनों ही प्ररुपों में उसका जबरदस्त प्रदर्शन देखा है।

वुड पर अधिक बोझ डालना नुकसानदेह होगा : बुचर

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मार्क बुचर ने कहा है वह तेज गेंदबाज मार्क वुड की फिटनेस को लेकर चिन्तित हैं। बुचर के अनुसार वुड सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं पर आने वाली सीरीज में उनपर जरुरत से ज्यादा दबाव डालना नुकसानदेह रहेगा। इसलिए उनके कार्यभार प्रबंधन का टीम को ध्यान रखना पड़ेगा। बुचर के अनुसार टीम में गस एटकिंसन और मैथ्यू पॉट्स जैसे नये गेंदबाजों के कारण वुड पर पहले ही अधिक दबाव रहेगा। बुड इस साल वैसे भी फिटनेस से जूझते रहे हैं। साल की शुरुआत में उन्हें बाएं घुटने में चोट लगी थी, जिसके कारण वे कुछ समय के लिए बाहर हो गए थे। हालांकि उन्होंने मई में पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से अच्छी वापसी की पर पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के दौरान थकान के कारण उन्हें बाहर जाना पड़ा था। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में नये तेज गेंदबाज होने से वुड पर अतिरिक्त भार पड़ सकत है। बुचर ने कहा, चाहे वे अतिरिक्त ऑलराउंडर के साथ जाएं या नहीं, मुझे जो बात चिंतित करती है वह है वुड। मैं उसे चोटिल होते नहीं देखना चाहता, मैं उसे बहुत अधिक काम करते नहीं देखना चाहता। मैं यही कह रहा हूं कि वह एक टेस्ट मैच में बहुत अधिक काम कर सकता है। बुचर ने चोट को रोकने और पूरी सीरीज में उसकी प्रभावशीलता बनाए रखने के लिए वुड के कार्यभार को सावधानीपूर्वक प्रबंधित करने को कहा है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं किया जाता तो हमें वुड को खोना पड़ेगा और इंग्लैंड के लिए ये एक बड़ा झटका रहेगा।

व्यापार

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

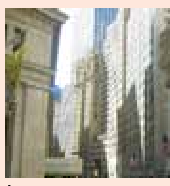

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। ब्याज दर में कटौती होने की संभावना से उत्साहित अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र में के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर के महीने में ब्याज दरों में कटौती करने का साफ संकेत देने के बाद पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,620.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 102.05 अंक यानी 0.57 प्रतिशत उछल कर 17,918.99 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 40,837.38 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। एफटीएसई इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,283.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत उछल कर 7,524.72 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,448.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 183.02 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 38,134.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,459.22 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 1,338.84 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,860.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,364.44 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स भी अभी तक के कारोबार में 0.40 प्रतिशत लुढ़क कर 22,149.03 अंक के स्तर तक आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स भी 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,698.14 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.47 प्रतिशत फिसल कर 7,519.24 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 2,855.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

धातु और इस्पात उद्योग की वृद्धि में एमसीएक्स के माध्यम से मिलेगा नया आयाम

कोलकाता। भारत में धातु और इस्पात उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका और दायरा निरंतर बढ़ता जा रहा है। इस उद्योग की प्रगति को और अधिक सशक्त बनाने के लिए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) का शुभारंभ एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। यह कदम छोटे निर्माताओं को भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बढ़ती संभावनाओं का लाभ दिलाने में सहायक होगा। बुधवार को 'एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम' और 'स्टार्ट अप एक्सेलेरेटर्स प्रेसेंट' ने कोलकाता के एक पांच सितारा होटल में 'मेटल कॉन्क्लेव' नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में धातु और इस्पात क्षेत्र की विभिन्न स्तरों की कंपनियों के अधिकारी शामिल हुए। ज्ञात हो कि 2006 में भारत सरकार ने माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइज (एमएसएमई) विकास अधिनियम के तहत इस क्षेत्र के नियम-कानून लागू किए थे। 'एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम' के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट विभोर टंडन ने इस अवसर पर कहा कि देश के कुल जीडीपी का 35 प्रतिशत से अधिक हिस्सा एमएसएमई से प्राप्त होता है। देश की बढ़ती जनसंख्या और विभिन्न प्रकार की सामग्रियों की मांग के साथ-साथ धातु और इस्पात उद्योग का महत्व भी तेजी से बढ़ रहा है। टंडन ने कहा कि एमसीएक्स के 'स्टैंडर्डाइजेशन एंड लिस्टिंग' के बारे में कई लोगों की स्पष्ट समझ नहीं है। 'एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम' के लगभग 250 सदस्य और 'स्टार्ट अप एक्सेलेरेटर्स' के लगभग 800 सदस्यों को इस उद्योग के विभिन्न अज्ञात पहलुओं के बारे में जागरूक करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। इस कॉन्क्लेव में विभोर टंडन के अलावा चित्तरंजन रेगे, महेश अग्रवाल, टाटा स्टील के चीफ जनरल मैनेजर संजय बेहेरा भी शामिल हुए। चर्चा के दौरान कच्चे माल की कीमत, बिक्री मूल्य, तकनीकी बदलाव के साथ 'रोल ऑफ रेगुलेटर्स', 'प्राइस मैकेनिज्म' जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे सामने आए। 'गोल्ड', 'सिल्वर' और 'ब्रॉन्ज'— इन तीन प्रकार की सर्टिफिकेशन और उनके नियमों के बारे में भी जानकारी दी गई। यह भी बताया गया कि इन प्रमाणपत्रों के आधार पर केंद्र सरकार से सब्सिडी प्राप्त की जा सकती है। 20 निर्दिष्ट मानकों को पूरा करने पर 'गोल्ड' सर्टिफिकेशन प्रदान किया जाएगा। 'धातु क्षेत्र में वित्तपोषण की भूमिका' पर चर्चा में अभीक गुप्ता, ममता बिनानी, प्रज्ञा झुनझुनवाला आदि विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इस चर्चा में जीएसटी जैसे वित्तीय और कर से संबंधित मुद्दों पर भी विचार किया गया। एक निजी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी इंद्रजीत घोष ने मंच पर संक्षिप्त भाषण दिया। चर्चा में विभिन्न बैंकों और निजी कंपनियों के शीर्ष प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

महंगा हुआ सोना, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में तेजी नजर आ रही है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में आज मामूली गिरावट आई है। सोने के भाव में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये का स्तर पार करके 73,360 रुपये से लेकर 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 67 हजार रुपये के स्तर को पार करके 67,260 रुपये से लेकर 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने के विपरीत चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 86,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 73,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह चेन्नई में भी 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 73,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 73,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,260 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 67,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में उछाल आया है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

कच्चा तेल 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 77 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.26 डॉलर यानी 0.08 फीसदी की उछाल के साथ 76.11 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.33 डॉलर यानी 0.44 फीसदी लुढ़ककर 74.04 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

देश की जीडीपी ग्रोथ रेट पहली तिमाही में 6 फीसदी रहने का अनुमान

जून तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर के आधिकारिक आंकड़े 30 अगस्त को

नई दिल्ली। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सरकारी पूंजीगत व्यय में कमी तथा शहरी उपभोक्ता मांग में नरमी आने से देश की आर्थिक वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में छह फीसदी रहने का अनुमान जताया है। हालांकि जून तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर के आधिकारिक आंकड़े 30 अगस्त को आएंगे। निवेश सूचना और क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा (आईसीआरए लिमिटेड) ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अप्रैल-जून तिमाही में छह फीसदी रहने का अनुमान है, जो पिछली छह तिमाहियों में सबसे कम है। इक्रा ने पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.8 फीसदी रहने की उम्मीद जताई है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में दर्ज 8.2 फीसदी की ग्रोथ से कम है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर का आधिकारिक आंकड़ा 30 अगस्त, 2024 को जारी करेगा। इससे पिछले वित्त 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही थी। हालांकि, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) को चालू वित्त वर्ष में जीडीपी ग्रोथ 7.2 फीसदी और पहली तिमाही में वृद्धि दर 7.1 फीसदी रहने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि आईसीआरए लिमिटेड एक भारतीय स्वतंत्र और पेशेवर निवेश सूचना और क्रेडिट रेटिंग एजेंसी है। इस कंपनी की स्थापना 1991 में हुई थी। इसका मूल नाम इन्वेस्टमेंट इंफॉर्मेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ऑफ इंडिया लिमिटेड था। हालांकि, इसे इक्रा के नाम से जाना जाता है।

स्त्री 2 को मिला रक्षाबंधन की छुट्टी का फायदा

पार किया 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 इस समय हर जगह छाई हुई है. इस फिल्म ने पांच दिन में ही इतने रिकॉर्ड बना लिए हैं जिसका किसी को अंदाजा ही नहीं था. सभी फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए फिल्म ने पहले दिन 50 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया था और अब पांच दिनों में 200 करोड़ के क्लब में शामिल हो चुकी है. स्त्री 2 ने पांच दिनों में 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाएगी इस बात की उम्मीद सभी को थी लेकिन इतनी जल्दी इतना बड़ा कलेक्शन कर लेगी ये किसी ने नहीं सोचा था. सोमवार को रक्षाबंधन का फिल्म को फायदा हुआ है. स्त्री 2 ने पांच दिनों में सारे टेस्ट पास कर लिए हैं. फिल्म ने पांचवें दिन बॉक्स ऑफिस पर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक करीब 37 करोड़ का कलेक्शन किया है. जिसके बाद टोटल कलेक्शन 228.45 करोड़ हो गया है. फिल्म ने पहले दिन प्रिव्यू समेत 60.3 करोड़ का कलेक्शन किया था. दूसरे दिन 31.4 करोड़, तीसरे दिन 43.85 करोड़, चौथे दिन 55.9 करोड़ और पांचवें दिन 37 करोड़ का कलेक्शन किया है. वीकेंड और त्योहार की छुट्टी का स्त्री 2 को बहुत फायदा हुआ है. अब वीक डे में इसकी कमाई पर कितना असर होता है वो देखना होगा. वर्ल्डवाइड भी स्त्री 2 शानदार कलेक्शन कर रही है. वर्ल्डवाइड तो फिल्म 300 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली है. अमर कौशिक के निर्देशन में बनी स्त्री 2 में श्रद्धा की जोड़ी राजकुमार राव के साथ बनी है।पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना जैसे सितारों भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। अक्षय कुमार और वरुण धवन के कैमियो ने भी दर्शकों का दिल जीत लिया है।फिल्म में चंदेरी शहर में भयानक सिरकटे का आतंक देखने को मिल रहा है। नगरवासी इस भयानक दैत्य से मुक्ति के लिए एक बार फिर स्त्री की ओर रुख करते हैं।

क्राइम, मिस्ट्री, थ्रिलर से भरा द बकिंघम मर्डर्स का टीजर आउट

मेकर्स ने करीना कपूर के किरदार से उठाया पर्दा

करीना कपूर की आगामी क्राइम थ्रिलर द बकिंघम मर्डर्स का आधिकारिक टीजर रिलीज हो गया है. टीजर के साथ ही करीना कपूर के फैंस और दर्शकों में इसकी उत्सुकता नए स्तर पर पहुंच गई है. हंसल मेहता की निर्देशित और करीना कपूर खान, शोभा कपूर और एकता कपूर द्वारा निर्मित यह फिल्म इसी साल सितंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी. फिल्म का प्रीमियर पिछले साल जियो मामी फेस्टिवल में हुआ था. मेकर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर द बकिंघम मर्डर्स का आधिकारिक टीजर शेयर किया. इस दौरान मेकर्स ने करीना कपूर के किरदार का खुलासा भी किया. मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, मिलिए डिटेक्टिव सार्जेंट जसमीत भामरा से. देखिए कैसे वो छुपी सच्चाईयों से पर्दा उठाती हैं. द बकिंघम मर्डर्स में करीना कपूर एक डिटेक्टिव सार्जेंट का किरदार निभाएंगी, जिसका नाम जसमीत भामरा है. टीजर की शुरुआत इस दिल दहला देने वाली घटना से होती है, जो उसके किरदार को न्याय की तलाश में ले जाती है. क्राइम, मिस्ट्री और थ्रिलर से भले टीजर में करीना कपूर का किरदार जसमीत भामरा अपने बच्चे को खो देती है. अपने बच्चे का पता लगाने

के लिए डिटेक्टिव सार्जेंट ज्वाइन करती हैं. इस दौरान जसमीत भामरा को कई ऐसे सीन्स का सामना करना पड़ता है, जो एक मां के रूप में उन्हें कमजोर कर देती है. टीजर का अंत एक खूनी सीन से होता है. करीना कपूर ने भी अपनी आने वाली फिल्म का टीजर अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया है और कैप्शन में फिल्म का रिलीज डेट 13 सितंबर लिखा है. करीना कपूर के धांसू टीजर पर फैशन डिजाइन रिया कपूर और फैंस का रिएक्शन आया है. रिया ने पोस्ट के कमेंट सेक्शन में फायर वाला इमोजी छोड़ा है. वहीं, फैंस को द बकिंघम मर्डर्स का टीजर काफी पसंद आया है. एक फैन ने लिखा है, मन को झकझोर देने वाला टीजर. फिल्म का बेसब्री से इंतजार है. एक दूसरे फैन ने लिखा है, नेशनल अवॉर्ड लोडिंग. एक फैन लिखा है, यह ब्लॉकबस्टर होगी. हंसल मेहता की निर्देशित द बकिंघम मर्डर्स में करीना कपूर खान और रणवीर बरार अहम भूमिका में हैं. वहीं, ऐश टंडन, असद राजा, प्रभलीन संधू, संजीव मेहरा, अदवोआ अकोतो, जैन हुसैन जैसे कलाकार को-स्टार्स शामिल है. यह फिल्म 13 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है.

बॉक्स ऑफिस पर खेल खेल में की दैनिक कमाई में भारी गिरावट

जानें पांचवें दिन का कारोबार

अक्षय कुमार की पिछली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बेअसर रही हैं। शायद यही वजह है कि उनकी हाल ही में रिलीज फिल्म खेल खेल में से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह भी बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई कर रही है।कामकाजी दिनों में फिल्म की दैनिक कमाई में भारी गिरावट दर्ज की गई। फिल्म को रक्षाबंधन की भी छुट्टी का फायदा नहीं मिला।आइए जानते हैं पांचवें दिन खेल खेल में का बॉक्स ऑफिस पर क्या हाल रहा। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, खेल खेल में ने अपनी रिलीज के पांचवें दिन 1.90 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 15.95 करोड़ रुपये हो गया है।खेल खेल में ने 5.05 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी। दूसरे दिन यह फिल्म 2.05 करोड़ रुपये का कारोबार किया।तीसरे दिन यह फिल्म 3.1 करोड़ रुपये और चौथे दिन 3.85 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। खेल खेल में के निर्देशन की कमान मुदस्सर अजीज ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। भूषण कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं।100 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म तापसी पन्नू, एमी विर्क, वाणी कपूर, आदित्य सील, प्रज्ञा जयसवाल और फरदीन खान जैसे सितारों ने भी अहम भूमिका निभाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद खेल खेल में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक दे सकती है।

मेरे लिए गंभीर किरदार निभाना मुश्किल था: जैस्मीन भसीन

बिग बॉस 14, फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी और नागिन 4 में काम करने वाली मशहूर अभिनेत्री जैस्मीन भसीन ने कहा है कि उनके लिए एक गंभीर किरदार निभाना बहुत मुश्किल था, क्योंकि उनकी छवि पहले से ही एक बहुत ही खुशमिजाज इंसान की है। इन दिनों अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'अरदास सरबत दे भले दी की तैयारियों को लेकर अभिनेत्री ऑस्ट्रेलिया में फिल्म के प्रचार कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात कर रही हैं। वीडियो में जैस्मीन कहती हुई सुनाई दे रही हैं, जब आपकी छवि पहले से ही एक जीवंत व्यक्ति की हो, तो खुद को एक गंभीर भूमिका के लिए तैयार करना बहुत मुश्किल होता है। ऐसे में एक कलाकर के लिए अपने दर्शकों को किसी भूमिका की गंभीरता के बारे में समझाना बहुत मुश्किल हो जाता है। मैं सेट पर हर बार जानबूझकर यही सोचती थी कि, 'जैस्मीन यहां नहीं है, किरदार यहां है। 'अरदास सरबत दे भले दी में पंजाबी सुपरस्टार गिप्पी ग्रेवाल, गुरप्रीत सिंह घुग्गी, प्रिंस कंवलजीत सिंह भी हैं। फिल्म को गिप्पी ग्रेवाल ने लिखा और निर्देशित किया है। पंजाबी फिल्मों के साथ-साथ हिंदी टेलीविजन में काम कर चुकी जैस्मीन भसीन ने 2011 में तमिल फिल्म 'वानम से डेब्यू किया था। उन्होंने गिप्पी ग्रेवाल के साथ कॉमेडी-ड्रामा 'हनीमून से पंजाबी फिल्मों में डेब्यू किया था। अभिनेत्री वर्तमान में अली गोनी को डेट कर रही हैं। अर्जेंटीना जाने से पहले दोनों की पहली मुलाकात 2018 में मुंबई में हुई थी। उन्हें रोहित शेट्टी के स्टंट-आधारित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी के सीजन 9 में 10 अन्य लोगों के साथ देखा गया था अर्जेंटीना में शूटिंग के दौरान उनकी दोस्ती हुई और वे अच्छे दोस्त बन गए। कहा जा रहा है कि यह जोड़ा जल्द ही शादी के बंधन में बंध जाएगा।

अनन्या पांडे की कॉल मी बे का ट्रेलर जारी, 6 सितंबर को प्राइम वीडियो पर होगी स्ट्रीम

फिल्मों के बाद अब अनन्या पांडे ओटीटी पर कदम रखने जा रही हैं। वहीं कई स्टार किड्स को लॉन्च कर चुके करण जौहर ने उन्हें ये मौका दिया। फाइनली अमेजन प्राइम वीडियो ने अनन्या पांडे की नई सीरील कॉल मी बे का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। धर्माटिक एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित इस कॉमेडी-ड्रामा में वीर दास,वरुण सूद, मुस्कान जाफरी, विहान समेत अन्य एक्टर्स नजर आएंगे। ट्रेलर की शुरुआत होती है अनन्या पांडे से जिनका नाम बेला चौधरी है लेकिन वो खुद को बे बुलाती हैं। बेला का जन्म एक बहुत ही रईस घर में हुआ है और वो प्रॉपर साउथ दिल्ली की लड़की हैं। बे मस्ती से अपनी जिंदगी जी ही रही होती है कि एक समय उसकी जिंदगी में ऐसा मोड़ आता है कि उसकी पूरी ग्लैमरस दुनिया अचानक से बिखर जाती है। उसकी आराम भरी जिंदगी अचानक मुंबई की सड़कों पर आ जाती है जहां उसे अपने लिए काम ढूंढ़ना है। इस दौरान वो पब्लिक ट्रांसपोर्ट से लेकर मुंबई में एक पत्रकार के चुनौतीपूर्ण जीवन को अपनाने की कोशिश करती है। अपने ओटीटी डेब्यू पर बात

करते हुए अनन्या ने कहा, शुरुआत से ही मुझे पता था कि कॉल मी बे एक ऐसा प्रोजेक्ट है जिसका मैं हिस्सा बनना चाहती थी। स्क्रिप्ट सुने बिना भी, मुझे पता था कि यह कुछ खास होने वाला है। एक एक्टर के तौर पर बे का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत रोमांचक भरा था। 8 एपिसोड की इस वेब सीरीज को कोलिन डी कुन्हा ने डायरेक्ट किया है। एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर में करण जौहर,अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा शामिल हैं। कॉल मी बे का प्रीमियर 6 सितंबर, 2024 को भारत और दुनिया भर के 240 देशों में होगा। इस सीरीज को इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर और रोहित नायर ने लिखा है। यह प्राइम वीडियो पर तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा के साथ हिंदी में स्ट्रीम होगी।

बॉक्स ऑफिस पर जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा का संघर्ष शुरू

पांचवें दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा को अक्षय कुमार की खेल खेल में और श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 के साथ स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यानी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी।वीकेंड पर औसत प्रदर्शन करने के बाद रक्षाबंधन में भी फिल्म की दैनिक कमाई में कोई खास सुधार देखने को नहीं मिला।आइए जानते हैं वेदा ने पांचवें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, वेदा ने अपनी रिलीज के पांचवें दिन यानी पहले सोमवार को 1.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 15.50 करोड़ रुपये हो गया है।वेदा ने बॉक्स

ऑफिस पर 6.3 करोड़ रुपये के साथ धीमी शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह 1.8 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।तीसरे दिन इस फिल्म 2.45 करोड़ रुपये और चौथे दिन 3.2 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वेदा का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है, वहीं इसकी कहानी असीम अरोड़ा ने लिखी है। जॉन ने इस फिल्म का निर्माण उमेश केआर बंसल, मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी के साथ मिलकर किया है। फिल्म का बजट 50 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।वेदा में जॉन के साथ शरवरी वाघ मुख्य भूमिका में हैं। उनकी अदाकारी की फिल्म में खूब तारीफ हो रही है।अभिषेक बनर्जी, तमन्ना भाटिया और आशीष विद्यार्थी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

बबिता उर्फ मुनमुन दत्ता ने ओपन हेयर के साथ ग्लैमरस लुक्स से फैंस को बनाया दीवाना

तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम की जानी-मानी अभिनेत्री बबिता उर्फ मुनमुन दत्ता आए दिन अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। अब हाल ही में उनकी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनकी खूबसूरती को देखकर जेठालाल ही नहीं आप भी फिदा हो जाएंगे, यकीन ना हो तो देखिए ये ग्लैमरस फोटोज... तारक मेहता का उल्टा चश्मा से हर दूसरे घर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी और ग्लैमरस लुक्स से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ब्लू कलर का स्टाइलिश स्लीवलेस गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो किलर लुक्स में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस उन पर फिदा हो गए हैं। ओपन हेयर को स्टाइलिश लुक देकर और सटल बेस मेकअप कर के एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस के इस लुक को देखकर फैंस ने कॉमेंट्स की झड़ी लगा दी है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा- टू मच हॉट। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है-यू लुक एलिगेंट एंड ग्लैमरस। मुनमुन दत्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। मुनमुन दत्ता के चाहने वाले उनकी हर एक फोटोज पोस्ट होने का बेसब्री से इंतजार करते हैं।